अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 186 लखनऊ, बुधवार, 21 जनवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

पार्टी को नई ऊर्ज़ा व दिशा देंगे नितिन नबीन : आदित्यनाथ

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से यहां मुलाकात की और उन्हें बधाई के साथ उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में मंगलवार को नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। आदित्यनाथ ने कहा, ''आपके कुशल नेतृत्व, संगठनात्मक अनुभव और दूरदर्शिता से पार्टी को नई ऊर्ज़ा-दिशा मिलेगी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को और मजबूती प्राप्त होगी।'' मुख्यमंत्री ने आशा जताई कि उत्तर प्रदेश को भी आपका निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त होता रहेगा।

टोल बकाया होने पर अब नहीं मिलेगी एनओसी, फिटनेस प्रमाणपत्र और परमिट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर टोल शुल्क वसूली को सख़्त करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। इन बदलावों के बाद यदि किसी वाहन पर टोल शुल्क बकाया है, तो उस वाहन से जुड़े कामकाज रोक दिए जाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार यदि अब किसी वाहन पर टोल शुल्क बकाया है, तो उसका अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी नहीं होगा यानी वाहन का स्वामित्व किसी और को हस्तांतरित नहीं किया जा सकेगा और न ही वाहन को एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जा सकेगा। इसी तरह फिटनेस प्रमाणपत्र का नवीनीकरण भी तभी होगा जब टोल शुल्क का बकाया चुका दिया गया हो।

नितिन हैं खास, क्योंकि मोदी के हैं बॉस

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी संपादक

- पीएम मोदी ने कहा, मैं कार्यकर्ता और नितिन हमारे बॉस
- नितिन के जरिए बंगाल के भद्रलोक को साधने की कोशिश
- भाजपा को युवा बनाने की कोशिश में पहला कदम है ये नियुक्ति

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी अब नितिन नवीन के साथ युवा हो गई है। आने वाले समय में भाजपा की जो नई टीम बनेगी, उसमें भी युवा चेहरों को तरजीह दिए जाने की चर्चा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया है कि नितिन नबीन भले ही युवा हैं, लेकिन वे उनके भी बास हैं। पार्टी में संदेश दे दिया गया है कि पार्टी में उम्र का कोई मतलब नहीं, अगर किसी के पास बड़ी जिम्मेदारी है, तो वह बड़ा है। उसका सम्मान भी उसी तरह से होना चाहिए। विशेषकर बिहार में मैसेज दे दिया गया है कि अब कोई भी नितिन नबीन को नितिन कहकर संबोधित नहीं करेगा। उनके नाम के आगे माननीय और पीछे जी भी लगाया जाएगा। इस बात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मोहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि मैं नितिन जी का कार्यकर्ता हूं और वे मेरे बास हैं। इस नियुक्ति का जो खास संदेश है, वो यह है कि पार्टी कायस्थों में अपनी पैठ और मजबूत करना चाहती है। साथ ही इसके जरिए पश्चिम बंगाल के उस भद्रलोग को भी साधने की कोशिश है, जिसका पश्चिम बंगाल की राजनीति में खासा असर है।

नितिन नवीन को मंगलवार 20 जनवरी 2026 को औपचारिक रूप से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित कर दिया गया, और उन्होंने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके अलावा पार्टी में बहुत साफ संदेश दे दिया गया कि हालांकि नितिन नबीन की उम्र कम है, लेकिन वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं, इसलिए अब उनका पर्याप्त सम्मान होना चाहिए। बिहार में पहले ही संदेश दे दिया गया है कि अब उन्हें माननीय नितिन जी कहकर पुकारा जाएगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नितिन नवीन अब मेरे बास हैं, और मैं उनका कार्यकर्ता हूं। पीएम ने कहा कि मैं जो भी हूं वह अलग बात है, लेकिन सबसे पहले में भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता हूं और नितिन नवीन जी मेरे बास हैं।

पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस मौके पर कहा कि भाजपा ही वह पार्टी है, जिसमें किसी को भी शीर्ष पद पर पहुंचने का मौका मिल सकता है। क्योंकि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का वाच टावर बहुत मजबूत है, और सब पर निगाह रखता है। इसीलिए पार्टी सबकी क्षमता के अनुसार उचित सम्मान भी देती है, और उसी का परिणाम है कि आज मैं पार्टी के सबसे शीर्ष पद पर पहुंच गया हूं।मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि भाजपा मुझ जैसे अदना कार्यकर्ता को इस पद पर पहुंचाएगी। इसके लिए मैं नेतृत्व को बहुत धन्यवाद देता हूं।

यह जरूर है कि नितिन नबीन के रूप में 45 साल की भाजपा को 45 साल का ही अध्यक्ष मिल गया है। यह नियुक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा का क्रियान्वयन है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे लगभग लाख युवाओं को राजनीति में आगे लाएंगे। पीएम ने यह बात 2024 में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर गुजरात के एक कार्यक्रम में कही थी। तभी से इस पर काम शुरू हो गया था। खबर है कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले तक पूरे देश से 45 से 55 साल की उम्र के 20 युवा नेताओं का चयन किया गया था। दूसरे चरण की छंटनी में पांच लोगों का चुनाव हुआ था, जिनमें से नितिन नबीन भी थे। और अंततः उन्हीं को पार्टी अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त पाया गया। फिर बिहार चुनाव के ठीक बाद उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था, और अब वे पूर्णकालिक अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाल चुके हैं।

पार्टी नितिन नबीन के जरिए पश्चिम बंगाल के कायस्थ वोटरों और वहां के भद्रलोक को साधने की भी कोशिश में है, जिस पर पश्चिम बंगाल की कायस्थ बिरादरी का काफी असर है। यह भद्रलोक ही राज्य की राजनीतिक दिशा तय करता है। इस नियुक्ति का असर यूपी पर भी है। बहुत दिनों से कायस्थ बिरादरी भाजपा में उपेक्षित महसूस कर रही थी। अब और नितिन नबीन के जरिए उनकी उपेक्षा दूर हो सकेगी। यह देखने में भी आया है कि इस नियुक्ति के बाद कायस्थ बिरादरी काफी उत्साहित है, विशेषकर कायस्थ बिरादरी से जुड़े पत्रकार। सभी ने नितिन की नियुक्ति को शिद्दत के साथ प्रचारित किया।

नितिन नबीन हालांकि भाजपा के सबसे नए अध्यक्ष बताए जा रहे हैं, किंतु भाजपा जिस जनसंघ की बुनियाद पर खड़ी है, उसके अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेई ने 42 साल की उम्र में ही जनसंघ अध्यक्ष का पद संभाला था। इस नियुक्ति की एक खास बात ये भी है कि निवर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 20 जनवरी को पद संभाला था और नए अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी 20 जनवरी को ही पद संभाला है।

658 करोड़ के फर्जी आईटीसी घोटाले में ईडी का कई राज्यों में छापा

एजेंसी

कोलकाता, 20 जनवरी (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करीब 658 करोड़ के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले के सिलसिले में मंगलवार को कोलकाता, झारखंड, मणिपुर समेत कई राज्यों में एक साथ तलाशी अभियान चलाया। केंद्रीय जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह छापेमारी उन व्यक्तियों और कंपनियों के ठिकानों पर की गई है, जिनके इस बड़े कर घोटाले से जुड़े होने का संदेह है। इस पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व ईडी की ईटानगर यूनिट कर रही है, जो संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय में कार्रवाई कर रही है। जांच एजेंसी का कहना है कि इस मामले में कई फर्मों पर बिना किसी वास्तविक माल या सेवा की आपूर्ति के फर्जी चालानों के जरिए इनपुट टैक्स क्रेडिट बनाने और उसका लाभ उठाने का आरोप है। ऐसे फर्जी दावे न केवल सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि इनके तार अक्सर मनी लॉन्ड्रिंग और शेल कंपनियों के नेटवर्क से भी जुड़े होते हैं।

ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह मामला अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा है। इस एफआईआर में राकेश शर्मा और आशुतोष कुमार झा सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, एम/एस सिद्धि विनायक ट्रेड मर्चेंट्स नामक एक कथित गैर-मौजूद कंपनी के जरिए बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा किया गया।

यूपी बनेगा एआई इनोवेशन का हब : प्रमुख सचिव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फ्यूचर स्किल्स के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है। मंगलवार को एआई नवाचार को लेकर दिग्गज कंपनियों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और तकनीकी विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। प्रमुख सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अनुराग यादव ने बताया कि विभाग के सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस द्वारा मंगलवार को राज्य स्तरीय एआई-लेड इनोवेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल स्किल्स, फ्यूचर स्किल्स, क्षमता निर्माण और रोजगार सृजन जैसे विषयों पर चर्चा की गयी।

यूपी में अब पलायन नहीं, 'परावर्तन' का दौर : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- योगी सरकार के श्रम, रोजगार, निवेश और सामाजिक सुरक्षा मॉडल से बदली उत्तर प्रदेश की तस्वीर
- युवाओं व श्रमिकों को अब रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रदेश छोड़ने की मजबूरी नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास और सामाजिक सुरक्षा का नया मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। बीते पौने नौ वर्षों में योगी सरकार की नीतियों का असर अब जमीन पर साफ दिख रहा है। जहां पहले युवा और श्रमिक रोज़गार के लिए प्रदेश छोड़ने को मजबूर थे, अब उनके लिए घर के पास पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रदेश छोड़ने की अब कोई मजबूरी नहीं। पूर्व में राज्य से बाहर जा चुके युवा व श्रमिक भी अब लौट रहे हैं। पलायन का स्थान 'परावर्तन' ने ले लिया है, जो प्रदेश में विकास, आत्मनिर्भरता और समावेशी समृद्धि की नई कहानी लिख रहा है।

प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता की मानें तो योगी सरकार के कार्यकाल में औद्योगिक निवेश, एमएसएमई विस्तार, सेवायोजन मेलों और कौशल विकास योजनाओं के जरिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित हुए हैं।

बेरोजगारी दर में ऐतिहासिक गिरावट आई है और लाखों युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्र में रोजगार मिला है। सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित सेवामित्र पोर्टल पर 53 हजार से अधिक कुशल कामगार पंजीकृत हो चुके हैं, जिन्हें सीधे रोजगार से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इन्वेस्ट यूपी के माध्यम से सिंगल विंडो सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाओं और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। एक्सप्रेसवे नेटवर्क, एयरपोर्ट्स, औद्योगिक कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर, मेडिकल कॉलेज और लॉजिस्टिक्स हब जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स ने उद्योगों को जिलों तक पहुंचाया। उत्तर प्रदेश रोजगार और फैक्ट्री इकाइयों के मामले में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है, जिससे स्थानीय स्तर पर स्थायी नौकरियां बनी हैं। वर्तमान में प्रदेश में 30 हजार से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हो रही हैं, जिनकी संख्या 2017 तक इसकी आधी भी नहीं थी। बीते पौने नौ सालों में युवाओं, श्रमिकों और महिलाओं के लिए उनके गृह जनपदों में रोजगार के अवसरों की संख्या कई गुना बढ़ी है। प्रवक्ता की मानें तो योगी सरकार ने केवल रोजगार ही नहीं, बल्कि श्रमिकों और उनके परिवारों की सुरक्षा, शिक्षा और भविष्य को भी प्राथमिकता दी है।

पत्नी, पति से अपनी पढ़ाई के खर्च का भी कर सकती है दावा : हाईकोर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- फेमिली कोर्ट के आदेश को सही मान हाईकोर्ट ने पति की याचिका की खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पत्नी के पक्ष में अंतरिम भरण-पोषण के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि पत्नी द्वारा अपनी शिक्षा से सम्बंधित खर्चों के लिए अंतरिम भरण-पोषण का दावा करना प्रथमदृष्टया उचित है। हाइकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अब यह स्थापित कानून है कि यदि पति को पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद वह अपनी आय और सम्पत्ति का विवरण हलफनामे के माध्यम से प्रस्तुत नहीं करता तो अदालत उसके खिलाफ प्रतिकूल अनुमान (एडवर्स इंफ़ेरेंस) लगा सकती है। जस्टिस गरिमा प्रसाद की एकल पीठ पति द्वारा दाखिल उस आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें फैमिली कोर्ट द्वारा पत्नी को अंतरिम भरण-पोषण दिए जाने के आदेश को चुनौती दी गई थी। मामले के अनुसार पत्नी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण- पोषण की अर्जी दाखिल की थी। उसने बताया कि विवाह 14 जून 2020 को हुआ था, लेकिन 14 मार्च, 2022 से दोनों अलग रह रहे हैं। पत्नी का आरोप था कि दहेज की मांग को लेकर उसे ससुराल से निकाल दिया गया और उसके बाद से उसे कोई आर्थिक सहायता नहीं दी गई।

उसने प्रति माह 15,000 रुपये भरण-पोषण की मांग की थी यह कहते हुए कि उसे अपनी पढ़ाई, दैनिक खर्च और मेडिकल जरूरतों के लिए धन की आवश्यकता है। पत्नी ने दावा किया कि पति के पास 75 बीघा कृषि भूमि है, वह ठेके पर खेती करता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग चलाता है और लगभग 40,000 रुपये प्रतिमाह की आय अर्जित करता है। वहीं पति ने इन सभी दावों से इनकार करते हुए कहा कि उसके पास कोई आय का स्रोत नहीं है। राजस्व अभिलेखों में उसके नाम कोई भूमि दर्ज नहीं है और वह कोई कोचिंग भी नहीं चलाता।

पति की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि पत्नी उच्च शिक्षित है। उसने वर्ष 2011 में एमए और वर्ष 2024 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी कर ली है। इसलिए वह स्वयं अपना भरण-पोषण करने में सक्षम है। ऐसे में फैमिली कोर्ट द्वारा 3,500 रुपये प्रति माह अंतरिम भरण-पोषण का आदेश मनमाना और अवैध बताया गया। हाइकोर्ट ने पाया कि पति को कई अवसर दिए जाने के बावजूद उसने फैमिली कोर्ट के समक्ष अपनी आय और सम्पत्ति का हलफनामा दाखिल नहीं किया। ऐसे मामलों में पति द्वारा आय छिपाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और उसके विरुद्ध प्रतिकूल अनुमान लगाया जा सकता है।

रेलवन ऐप से अनारक्षित टिकट पर डिजिटल भुगतान से मिलेगी 3 प्रतिशत की छूट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेलवे यात्रियों को डिजिटल माध्यमों से अधिक सुविधा,पारदर्शिता एवं प्रोत्साहन देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। यह सुविधा प्रयोगिक आधार पर दिनांक 14 जुलाई 2026 तक लागू की जा रही है।

अब तक रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुक करते समय केवल ट-wallet के माध्यम से भुगतान करने पर ही 3 प्रतिशत बोनस कैशबेक की सुविधा उपलब्ध थी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तथा डिजिटल भुगतान को और अधिक लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से रेलवे ने यह लाभ अब सभी स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों पर लागू करने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था के अंतर्गत रेलवन ऐप के जरिए अनारक्षित टिकट लेते समय यदि यात्री यूपीआई, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग अथवा अन्य स्वीकृत डिजिटल भुगतान माध्यमों का उपयोग करता है, तो उन्हें टिकट मूल्य पर 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इससे यात्रियों को टिकट बुकिंग में प्रत्यक्ष आर्थिक बचत होगी ।

रेलवे की यह पहल केशलेस लेन-देन को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूती प्रदान करेगी। विशेष रूप से दैनिक यात्रा करने वाले यात्रियों, अनारक्षित श्रेणी में सफर करने वाले आम नागरिकों तथा उपनगरीय क्षेत्रों के यात्रियों को इस सुविधा से सीधा लाभ मिलेगा। यात्रियों के लिए यह ऐप पहले से ही काउंटर पर लगने वाली लंबी कतारो से राहत दिलाने में उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

सहारनपुर मे एक ही परिवार के पांच लोगों के शव मिले, सभी के सिर पर गोली के निशान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सहारनपुर। सहारनपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों के शव कमरे में मिले हैं। मृतकों में अमीन, उसकी पत्नी, मां और दो बेटे शामिल हैं। पांचों के माथे पर गोली लगी है। अमीन और पत्नी का शव फर्श पर, जबकि उनकी मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर मिले। बगल में तीन तमंचे मिले हैं। सूचना पाकर पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंचीं और पड़ताल की। घर को सील कर दिया गया है। सभी के मोबाइल कब्जे में ले लिए गए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतकों की पहचान अमीन अशोक (40), पत्नी अंजिता (37), मां विद्यावती (70) और दो बेटे कार्तिक (16) और देव (13) के रूप में हुई है। अशोक को पिता की मौत के बाद उनकी जगह मृतक आश्रित में नौकरी मिली थे। वह नकुड़ तहसील में अमीन थे। बेटा देव कस्बे के एमटीएस पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ का छात्र था, जबकि कार्तिक नकुड़ के एक इंटर कॉलेज में कक्षा 10 में पढ़ाई कर रहा था। पड़ोसियों का कहना है कि परिवार शांत स्वभाव का था। किसी से कोई विवाद नहीं था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी का कहना है कि सभी के शव एक ही कमरे में मिले हैं। कमरे में तीन तमंचे भी मिले हैं। पुलिस को शक है कि अमीन ने पहले अपनी मां, पत्नी और दोनों बेटों को गोली मारी और उसके बाद खुद को भी गोली मार ली। पुलिस यह भी देख रही है कि कहीं परिवार पर कर्ज, नौकरी से जुड़ा तनाव, घरेलू विवाद या मानसिक दबाव तो नहीं था, जिसकी वजह से अमीन ने यह कदम उठाया।

परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और उसी दौरान किसी ने गुस्से में फायरिंग की, पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है।

वीबी-जी-राम-जी कानून गरीबों के खिलाफ : राहुल गांधी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- रायबरेली जिले के गांव उमरन में राहुल गांधी ने लगाई मनरेगा चौपालसरकार गरीबों के बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता दे रही: राहुल

रायबरेली। अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली दौरे पर आए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को मनरेगा के स्थान पर वीबी-जी-राम-जी कानून लाने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर प्रहार किये। राहुल गांधी ने इस कानून को गरीबों के खिलाफ बताते हुए कहा कि मोदी सरकार गरीबों के बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता दे रही है और सत्ता को केंद्रीकृत करना चाह रही है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी यहां पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार के विकसित भारत-जी राम जी कानून 2025 (वीबी जी राम जी विधेयक) के विरोध में कांग्रेस देशभर में मनरेगा बचाओ अभियान चला रही है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा कि मनरेगा का मकसद बेरोजगार ग्रामीणों को पैसे कमाने का जरिया देना था, लेकिन प्रधानमंत्री ऐसा नहीं चाहते। वे सत्ता को केंद्रीकृत करना चाहते हैं और इसे नौकरशाही को सौंपना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मरने के लिए छोड़ना चाहते हैं। एक्ट में सुधार के नाम पर गरीबों का सुरक्षा कवच हटाया गया है। उन्होंने एक्ट से महात्मा गांधी के नाम को हटाने की भी निंदा की।

राहुल गांधी के दौरे में सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम ऊंचाहार के उमरन में आयोजित मनरेगा चौपाल रही। उन्होंने मनरेगा चौपाल को संबोधित करते कहा कि हमारी कांग्रेस की तीन टर्म की सरकार में मनरेगा का जो विचार था, उसमें पंचायतों को जिम्मेदारी देने की बात थी। उनको आर्थिक जिम्मेदारी दी जाए। दूसरा लक्ष्य था कि हिंदुस्तान के गरीब लोगों के लिए तय मजदूरी देय हो ताकि किसी को भी कहीं से भी कम मजदूरी न मिले।प्रधानमंत्री मोदी को घेरते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सत्ता की पूरी ताकत को अपने पास रखना चाहते हैं; वह सत्ता नौकरशाहों को देना चाहते हैं। यह बड़ी बात नहीं कि मनरेगा का नाम बदला गया है, लेकिन नाम बदल कर गांधीजी का अपमान जरूर किया गया है। उससे बड़ी बात है कि जो गरीब जनता है, उससे संरक्षण हटा दिया गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि हमारी कांग्रेस की सरकार की सोच की जड़ को काटा गया है। इसलिए कांग्रेस पूरे देश में मनरेगा को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। जो मजदूरी करते हैं, उनकी सुरक्षा में लगे हुए हैं। नरेन्द्र मोदी चाहते हैं कि देश का पूरा धन अडाणी और अंबानी के पास चला जाए, एक तरफ हम जनता की रक्षा कर रहे हैं तो दूसरी तरफ मोदी देश की जनता का पैसा खींच कर अडाणी और अंबानी को देने में लगे हैं।

राज्यपाल ने राजभवन परिसर में 'कैक्टस गार्डन' का किया उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को राजभवन परिसर में 'कैक्टस गार्डन' का उद्घाटन किया। इस गार्डन में कैक्टस की विभिन्न प्रजातियों के पौधे स्थापित किए गए हैं, जो अल्प जल में पनपने वाले पौधों के संरक्षण एवं पर्यावरणीय संतुलन की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं। उद्घाटन के उपरांत राज्यपाल ने कैक्टस गार्डन का अवलोकन किया। पौधों के उचित रख-रखाव एवं संरक्षण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, राजभवन के सभी संबंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

गोमतीनगर से डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई अमृत भारत एक्सप्रेस

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से आज दोपहर 1.00 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस मां कामाख्या होते हुए डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के प्रमुख स्टेशनों से गुजरते हुए पूर्वोत्तर भारत तक सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी। गोमतीनगर से चलने के बाद अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, मनकापुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड, नलबाड़ी, रंगिया, कामाख्या, गुवाहाटी, जागी रोड, चापरमुख, होजई, लम्डिंग, दीफू, दीमापुर, फरकाटिंग, मरियानी, सिमालगुड़ी, मोराणहाट होते हुए अंत में डिब्रूगढ़ पहुंचेगी।

मणिकर्णिका घाट मंदिर मामले में विरोध प्रदर्शन आप नेताओं को पुलिस ने घसीटा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने लखनऊ में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को घसीट और टांगकर बस में बैठाया। उन्हें ईको गार्डन ले गए। पार्टी के जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने बताया कि यह सरकार हमारे इतिहास को मिटाना चाहती है। सरकार पुराने मंदिरों को मिटा रही है। हमारी संस्कृति पर सीधे तौर पर यह हमला कर रही है। यह सरकार अपना नया साम्राज्य गढ़ रही है। यह पूरी तरीके से हिंदू विरोधी सरकार है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिला पदाधिकारियों ने यह प्रदर्शन किया। आप का कहना है कि यह मामला केवल निर्माण या विकास का नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान से जुड़ा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों से की गई छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कराई जाएगी। पार्टी नेताओं ने कहा कि मणिकर्णिका घाट काशी की पहचान और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है। यहां मौजूद प्राचीन मंदिरों के साथ किसी भी तरह की तोड़फोड़ से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। आप ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

प्रकृति का उल्लास पर्व है बसंत

पं पवन तिवारी
संस्थापक अध्यक्ष ज्योतिष सेवा संस्थान

वास्तव में बसन्त का आगमन प्रकृति का उल्लास पर्व है। बसंत में मौसम खुशनुमा और ऊर्ज़ावान होता है, न ज्यादा ठंडा होती है और न गर्म। गुलाबी धूप के साथ प्रकृति के बीच बासन्ती छटा सौंदर्य की अलख जगाता है। प्रकृति में सनी फूलों की मादक गंध, घर आंगन, खेत, खलिहान में नये सृजन का अहसास कराती है।

इसीलिए तो कवियित्री महादेवी वर्मा ने लिखा है।

मैं ऋतुओं में न्यारा वसंत,
मैं अग-जग का प्यारा बसंत।
मेरी पगध्वनि सुन जग जागा,
कण-कण ने छवि मधुरस मांगा।।
नव जीवन का संगीत बहा,
पुलकों से भरा दिगंत।
मेरी स्वप्नों की निधि अनंत,
मैं ऋतुओं में न्यारा बसंत।

बसंत के आने का मतलब है, सर्दियों की लंबी रातों की विदाई और गुनगुने मौसम का ख़ूबसूरत एहसास। बसंत के आने का मतलब है बहारों का आना, परिंदों की चहचहाहट, पेड़ों पर नई कोपलों का आना और रंग बिरंगे फूलों से प्रकृति का संवरना, अप्रवासी पक्षियों का अपने घरों को लौटना। आम में अमराईयों का आना, कोयल की मधुर आवाज का कानों में रस घोलना और फूलों पर भंवरों का मंडराना। बसंत के आते ही क़ुदरत मानो अंगड़ाई लेती है, सर्दियों का आलस पीछे छोड़ ज़िंदगी को नई रफ़्तार देती है. कलियां खिल उठती हैं, फूल महकने लगते हैं। यही कारण है कि इस दौरान रचनात्मक व कलात्मक कार्य अधिक होते हैं। इस दौरान प्रकृति लोगों की कार्यक्षमता बढ़ा देती है, और लोगों की सृजन क्षमता बढ़ जाती है। वसंत को ऋतुओं का राजा कहा गया है। इस ऋतु में चारों तरफ रंग-रंगीले फूलों से धरती सज जाती है खिले हुए फूल बसंत के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूलों से लदी सरसों हवा के झोकों के साथ ऐसी मोहकता बिखेरती है कि देखकर मन प्रफुल्लित हो जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार बसंत को कामदेव का पुत्र कहा गया है। कवियों ने बसंत ऋतु का वर्णन करते हुए कहा है कि रूप व सौंदर्य के देवता कामदेव के घर पुत्रोत्पत्ति का समाचार पाते ही प्रकृति झूम उठती है। पेड़ उसके लिए नव पल्लव का पालना डालते है, फूल वस्त्र पहनाते हैं पवन झुलाती है और कोयल उसे गीत सुनाकर बहलाती है। भारतीय संगीत, साहित्य और कला में बसंत का महत्वपूर्ण स्थान है। संगीत में एक विशेष राग बसंत के नाम पर बनाया है जिसे राग बसंत कहा जाता हैं। भगवान कृष्ण ने स्वयं गीता में कहा है- में सामवेद के गीतों में बृहत्साम हूं, छंदों में गायत्री हूं , महीनों में मार्गशीष अगहन और ऋतुओं में फूल खिलाने वाली बसंत ऋतु हूं। शीशम के पेड़ हरी कोमल पत्तियों से ढक जाते हैं। केसरिया रंग प्रकृति के रंगों में घुलमिल जाता है, सेमल के फूल अपनी अलग छटा बिखरने लगते हैं, आमों पर छाई अमराइयों की खुशबू के बीच कोयल की सुरीले स्वर कानों में रस घोलन लगते हैं। वहीं मार्च के आते-आते बसंत का यौनन ढाक के पत्तों और फूलों से झांकने लगता है। नारंगी-लाल रंग के फूलों से लदे हुए ढाक के पेड़ प्रकृति को और शोभायमान बनाते देते हैं। पौधो पर गुंजन करते भंवरे रंग बिरंगे फूलों की गंध-रस के आनंद में डूब जाते हैं। चमेली की खिली हुई कलियां अपनी सुगंध से हवा को सुगंधित करती हैं. वहीं आकाश झील की तरह नीला हो जाता है, और सूर्य-चन्द्रमा भी बसंत के स्वागत में शीलता बिखेरने लगते हैं।

हजरतगंज चौराहे पर डायवर्जन से लखनऊ जाम, वाहनों की लगी लंबी कतार

लखनऊ। लखनऊ में 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों और 62वां सचिवों का सम्मेलन चल रहा है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज इलाके ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। इससे शहर में जाम के हालात पैदा हो गए हैं। कैंट सदर में लंबा जाम लग गया है। कैसरबाग और उसके आसपास जाम के हालात पैदा हो गए हैं। शहर का मुख्य चौराहा हजरतगंज है। यहां पर किए गए डायवर्जन के बाद वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इसके बाद प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू समेत कैसरबाग, गोलागंज में जाम लग गया। खासतौर पर कैंट माल एवेन्यू न्यू और सदर फ्लाईओवर के पास जाम की स्थिति बन गई। जाम में काफी देर तक स्कूल के छात्र और राहगीर फंसे रहे। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और सीएम आवास जाने वाले रोड पर भी भीषण जाम लग गया। इस दौरान तमाम छात्र स्कूल वाहन को छोड़कर पैदल ही जाते नजर आए।ऐसे में ट्रैफिक जाम की वजह से छात्रों को सबसे अधिक समस्या हुई।

किसी अन्य राज्य के सदन की कार्यवाही में हस्तक्षेप अस्वीकार्य : विजेंद्र गुप्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता मंगलवार को लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (एआईपीओसी) में हुए शामिल। अध्यक्ष ने विधायिका के विचाराधीन मामलों में किसी अन्य राज्य की सरकार के हस्तक्षेप की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य हस्तक्षेप बताया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने एआईपीओसी को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली विधान सभा में हाल की एक घटना पर सदन ने विधिवत संज्ञान लिया और उसे विशेषाधिकार समिति को संदर्भित किया गया। इस मुद्दे की जांच स्थापित संसदीय प्रक्रिया के अनुरूप की गई, जिसमें सदस्यों की भावनाओं के अनुरूप चर्चा हुई, तर्क-वितर्क प्रस्तुत किए गए और निर्णय लिए गए। विजेंद्र गुप्ता ने आगे कहा कि जब किसी विधायिका के भीतर किसी विषय पर चर्चा होती है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की सहभागिता से विचार-विमर्श किया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब सत्तापक्ष और विपक्ष मिलकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचते हैं और उसका क्रियान्वयन अध्यक्ष के माध्यम से किया जाता है, तो वह विषय अंतिम रूप ले लेता है। उल्लेखनीय है कि, ये टिप्पणियां 6 जनवरी को हुई सदन की कार्यवाही के संदर्भ में की गई थीं। गुप्ता ने पहले बताया था कि यह मामला दिल्ली विधान सभा की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग से संबंधित है, जिसमें हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान सिख गुरुओं से संबंधित सदन की कार्यवाही के संदर्भ में विपक्ष की नेता आतिशी द्वारा कथित रूप से की गई टिप्पणियों का विषय शामिल है। मामले की गंभीरता और सदस्यों द्वारा व्यक्त भावनाओं को देखते हुए, विधानसभा ने सदन के पटल पर औपचारिक रूप से इस मुद्दे का संज्ञान लिया और इसे स्थापित संसदीय प्रक्रिया के अनुसार, विशेषाधिकार समिति को संदर्भित करने सहित, सख्ती से जांचा। विजेंद्र गुप्ता ने पहले भी कहा था कि विधायी मामलों का निपटारा सदन के अधिकार क्षेत्र के भीतर ही होना चाहिए और किसी भी प्रकार का बाहरी हस्तक्षेप उसकी स्वायत्तता को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि एफएसएल रिपोर्ट ने तथ्य सामने ला दिए हैं और इस मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को संदर्भित किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया कि सदन माफी पर विचार करने के लिए भी खुला है।

निकाह के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, उतारने के लिए समझाती रही पुलिस

लखनऊ। मोहनलालगंज में एक युवक एक लड़की से निकाह कराने की जिद लेकर 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। वहां से लड़की का नाम लेकर चिल्लाने लगा कि उससे मेरा निकाह करा दो। युवक के टावर पर चढ़ने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिसवाले उसे समझाने लगे, लेकिन वह उतर नहीं रहा था। घटना पीजीआई कैंपस की है। मंगलवार सुबह इरशाद खान नाम का युवक मोबाइल फोन टावर पर चढ़ गया। पहुंची पुलिस ने एहतियातन टावर के आसपास के क्षेत्र को घेर लिया। लोगों को वहां जाने से रोका। यह ड्रामा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस करीब 1 घंटे तक उसे समझाती रही। युवक पीजीआई इलाके में रहता है। पीजीआई कैंपस सहित आसपास के गांवों में वह जंगली जीवों का रेस्क्यू करता है। वह कई बार कैंपस के अंदर ही निकले अजगर, बिज्जू आदि का रेस्क्यू कर चुका है। पिछले साल अस्पताल परिसर में ही अजगर निकला था जिसे इरशाद ने रेस्क्यू किया था।

बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार, बैलेंस चेक कराने के लिए ब्रांच में लगी भीड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लोगों की फर्जी एफडी करने वाले बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार हो गया है। वह बैंक ब्रांच में सबको चाय पिलाता था। यहीं से उसकी बैंक अधिकारियों से जान-पहचान हुई। उसने बैंक मित्र शिवा का सहयोग किया। लोगों की एफडी उसी से करवाई। शिवा ने इन हड़पे पैसों से राजाजीपुरम में आलीशान घर बनवा रखा है। मामला पारा थाना क्षेत्र के डॉ. शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच का है। कई लोगों के रुपए खाते से गायब होने और फर्जी एफडी की सूचना मिलने के बाद ब्रांच में सभी खाताधारक लगातार पहुंच रहे हैं। मंगलवार को यहां भीड़ देखने को मिली। अपने लाइन में लगकर केवल अपना बैलेंस चेक करवा रहे हैं। पारा पुलिस ने बैंक मित्र शिवा को 19 जनवरी को गिरफ्तार किया था। उसका सहयोगी रहा पूर्व सिक्योरिटी गार्ड भी पकड़ा गया। वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी जाने के बाद ब्रांच में सबको चाय पिलाने लगा था। उससे 2.38 लाख रुपए नकद और बैंक से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी शिवा ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान मकान बना रखा है, जिसकी जांच अब तेज कर दी गई है। पारा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक, शकुंतला विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में शिवा राव बैंक मित्र के तौर पर काम करता था। करीब 2 दर्जन लोगों ने 12 जनवरी को बैंक परिसर में आकर हंगामा कर दिया था। उसके बाद पारा थाने में लिखित शिकायत भी दी थी। उसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए शिवा को बैंक से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके सहयोगी दुबग्गा के दौलतखेड़ा के दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दिलीप बैंक परिसर के एटीएम बूथ में सिक्योरिटी गार्ड था। 2019 में नौकरी से हटाए जाने के बाद भी दिलीप बैंक परिसर में चाय पिलाने और बैंक खोलने-बंद करने जैसे काम करता रहा। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2020 से शिवा ने ग्राहकों को जाली एफडी देना शुरू कर दिया। इस फर्जीवाड़े में दिलीप ने नकली दस्तावेज तैयार करने और रकम के लेन-देन में अहम भूमिका निभाई। ठगी से जुड़े सबूत शिवा के मोबाइल में मौजूद थे, जिसे उसने तोड़ दिया था। पुलिस ने मोबाइल डेटा रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, दिलीप के मोबाइल से भी संदिग्ध ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि 2020 से अब तक बैंक में चार अलग-अलग मैनेजर तैनात रहे हैं। मामले की कड़ियां जोड़ने के लिए इन सभी से पूछताछ की जाएगी। पुलिस को जानकारी मिली है कि शिवा ने राजाजीपुरम के सरीपुरा इलाके में डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान मकान बनवाया है। अब यह जांच की जा रही है कि मकान कब और किन पैसों से बनाया गया, साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि मकान किसके नाम पर है। यदि यह संपत्ति अपराध से अर्जित धन से बनाई गई पाई जाती है तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि शिवा के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

लापता युवक का शव मिला हत्या की आशंका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दुबग्गा थाना क्षेत्र के कटौली गांव में चार दिन से लापता युवक का शव सोमवार देर रात गांव के बाहर बेहता नदी में उतराता हुआ मिला। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। खेतों में पानी लगा रहे किसानों ने नदी में शव देखा और तत्काल पुलिस व मृतक के परिजनों को सूचना दी। मृतक की पहचान कटौली गांव निवासी मजदूर मनोज यादव (24) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, मनोज बीते 15 जनवरी की देर रात बिना बताए घर से निकल गया था। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी बंद मिला, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कोई सुराग न मिलने पर दुबग्गा थाने में मनोज की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मृतक के भाई रमेश यादव ने बताया कि मनोज के लापता होने वाले दिन ही गांव के बाहर पश्चिम दिशा में करीब 500 मीटर की दूरी पर उसका एक जूता और लोवर पड़ा हुआ मिला था। तभी से परिजन किसी अनहोनी की आशंका जता रहे थे। चार दिन बाद बेहता नदी में शव मिलने से परिवार का शक और गहरा हो गया है। मनोज अविवाहित था और मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। उसके पिता राधेश्याम का निधन कई वर्ष पूर्व हो चुका है। सूचना मिलते ही दुबग्गा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से निकलवाकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि मृतक की गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले से दर्ज थी। उन्होंने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा।

मेकमायट्रिप ने पेश किए महिलाओं के लिए सुरक्षा और भरोसे से जुड़े संकेत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत की अग्रणी ऑनलाइन ट्रैवलकंपनी मेकमायट्रिप तकनीकी और यूज़र द्वारा साझा की गई जानकारियों का उपयोगकरते हुए महिला यात्रियों को स्टे और इंटरसिटी बस बुकिंग के दौरान अधिक भरोसेके साथ निर्णय लेने में मदद कर रही है। यह पहल प्लेटफ़ॉर्म पर सामने आए यूज़रव्यवहार के ट्रेंड्स पर आधारित है, जिनसे साफ़ होता है कि महिला यात्री बुकिंग सेपहले विकल्पों की बारीकी से जांच-परख करती हैं। इसमें रिव्यू पर अधिक क्लिककरना यानी रिव्यूज़ को ध्यान से पढ़ना, मैप्स और स्ट्रीट व्यू पर ज़्यादा समय देनाऔर बुकिंग कन्फ र्म करने से पहले अन्य मेहमानों द्वारा अपलोड की गई तस्वीरों कोबारीकी से देखना शामिल है।मेकमायट्रिप के को-फाउंडर औरग्रुप सीईओ राजेश मागो ने कहा महिलाएं अपनी यात्रा की योजना बनातेसमय पहले से ही बेहद सतर्क रहती हैं। प्लेटफॉर्म पर दिख रहे बुकिंग पैटर्न से पताचलता है कि वे स्टे और यात्रा मार्गकृदोनों का मूल्यांकन कितनी सोच-समझकरकरती हैं। हम अपने विशाल डेटा भंडार और एआई की शक्ति से इस योजना प्रक्रिया कोउनके लिए आसान बनाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि वे पूरी जानकारी के आधार परनिर्णय ले सकें।यही रुझान बुकिंग के तरीक़ोंमें भी नज़र आते हैं। महिलाएँ पुरुषों की तुलना में कम से कम 15 दिन पहले50 प्रतिशत अधिक स्टे बुक कर रही हैं और प्रीमियम व ब्रांडेड प्रॉपर्टीज़ के प्रति उनकीपसंद 16 प्रतिशत अधिक देखी गई है। जैसे-जैसे महिला यात्री टियर-1 सेटियर-3 शहरों की ओर बढ़ती हैं, यह पसंद और भी स्पष्ट हो जातीहै, जहाँ ब्रांडेड स्टे उनके लिए भरोसे का मानक बन जाते हैं। इंटरसिटी बस रूट्स परअकेले यात्रा करने वाली महिलाएं आमतौर पर ऐसी सीटिंग व्यवस्था को चुनना पसंद करतीहैं, जिसमें उन्हें अन्य महिलाओं के पास बैठने का विकल्प मिले, न कि मिश्रित सीटिंगमें।जब सिस्टम को यह पता चलता है किकोई महिला स्टे की योजना बना रही है, तो सुरक्षा और भरोसे से जुड़े अहमबिंदु उभरकर सामने आते हैं या हाईलाइट किए जाते हैं। एआई-आधारितसारांश स्टे की खोज प्रक्रिया के दौरान स्टाफ के व्यवहार और लोकेशन की सुरक्षाजैसे संकेतों को सामने लाते हैं। इसके साथ ही सीसीटीवी, डोर आई, डोर चेनऔर फुल-लेंथ मिरर जैसी महिला-केंद्रित सुविधाओं के बारे में जानकारीभी अधिक स्पष्ट रूप से दिखाए जाते हैं, ताकि यात्री होटल/प्रॉपर्टी में सुरक्षा केपुख्ता इंतज़ामों को आसानी से समझ सकें। यात्री निर्णय लेने से पहले प्लेटफ़ॉर्मपर पहले से उपलब्ध स्ट्रीट व्यू फ़ीचर के ज़रिये आसपास की सड़कों और प्रॉपर्टी तकपहुँच के रास्ते को भी देख सकती हैं।इंटरसिटी बस यात्राओं में भी यहीतरीका अपनाया गया है। एआई केवल महिला यात्रियों द्वारा की गई यात्राओं से जुड़ेरिव्यू की पहचान करता है और उन्हें समय की पाबंदी, सुरक्षा और साफ़-सफाईजैसे प्रमुख सरोकारों के आधार पर फ़िल्टर करता है। प्रत्येक विशेषता को एकसेंटिमेंट टैग दिया जाता है, जिससे महिलाएँ फीडबैक का तेज़ी से आकलन कर पाती हैंऔर अधिक भरोसे के साथ निर्णय ले सकती हैं।

37 जिताएंगे 2027, बनाएंगे पीडीए सरकार : अखिलेश यादव

- सपा अध्यक्ष ने सांसदों के साथ की अहम बैठक पीडीए की रणनीति पर 2027 चुनाव जीतने का दिया मंत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को पार्टी के सभी सांसदों के साथ एक बड़ी बैठक की। प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में सांसदों के साथ बैठक करते हुए अखिलेश ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों और रणनीति पर मंथन किया। पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि पीडीए को मजबूत करते हुए मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अहम चर्चा की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उप्र में होने वाले विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर पहली बैठक आज 37 लोकसभा और 4 राज्यसभा सांसदों के साथ की। उन्होंने इस दौरान सांसदों से अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों की विधानसभा सीटों की रिपोर्ट ली। इसमें विधानसभा प्रत्याशियों के चयन करने को लेकर मंथन किया और चुनाव को लेकर सीटों की रिपोर्ट पर चर्चा की। अखिलेश ने सांसदों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की रिपोर्ट ली गई। इसमें किस संसदीय क्षेत्र में चुनाव आयोग के मुताबिक दी गई रिपोर्ट में कितने मतदाताओं के नाम कम हुए, उस पर अहम रणनीति बनाई गई। बैठक के बाद सपा अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सैंतीस जिताएंगे सत्ताइस, हम मिलकर पीडीए सरकार बनवाएंगे। पीडीए का परचम पूरे देश में लहराएंगे। अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि आज की बैठक में हमें पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। मौजूदा में पीडीए के लोगों को परेशान किया जा रहा है। इसी नारे के साथ हम 2027 में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की सरकार बनानी है। इससे इस राज्य के किसानों, शिक्षकों और युवाओं को फायदा होगा। सपा सांसद आनंद भदौरिया ने पत्रकारों को बताया कि 2027 में यूपी में सपा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे के साथ बेहतर चुनाव लड़ेगी। दो तिहाई बहुमत से प्रदेश में सपा सरकार बनेगी। पीडीए की समस्याओं का समाधान होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि साधु-संत, शंकराचार्य, धर्माचार्य प्रदेश में सुरक्षित नहीं है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, प्रो. रामगोपाल यादव, सांसद डिंपल यादव, रामजी लाल सुमन, नरेश उत्तम पटेल, रूची वीरा समेत अन्य सभी सांसद मौजूद रहे।

जनसंपर्क को करे मजबूत, ताकि पार्टी की नीतियों का लाभ पहुंचे अंतिम व्यक्ति तकः दिनेश प्रताप सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बागवानी, कृषि निर्यात एवं विपणन दिनेश प्रताप सिंह अपने हरदोई प्रवास के दौरान जिला भाजपा कार्यालय हरदोई पहुंचे। उनके आगमन पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित जिला पदाधिकारी बैठक में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में एस.आई.आर. (SIR) एवं वी.बी.जी. राम जी अभियान की प्रगति, कार्ययोजना एवं संगठनात्मक मजबूती को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एस.आई.आर. एवं वी.बी.जी. राम जी अभियान पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल हैं और इन अभियानों के माध्यम से आम जनमानस को केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से जोड़ना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाएं और जनसंपर्क को और मजबूत करें, ताकि पार्टी की नीतियों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। बैठक के उपरांत भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर नितिन नवीन के चुने जाने पर पार्टी कार्यालय में हर्षोल्लास का माहौल देखने को मिला।

कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की एवं पटाखे फोड़कर जश्न मनाया। इस अवसर पर डीसीबी अध्यक्ष अशोक सिंह जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक पूर्व उपाध्यक्ष आज़ाद भदौरिया किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष विश्व युवा मोर्चा से सनी दीक्षित, हर्षित मिश्रा, ऋषभ तिवारी, आदेश शुक्ला, भूपेंद्र सिंह एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रक्रिया संपन्न

■ एकल नामांकन से निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना तय

राष्ट्रीय प्रस्तावना

नामांकन कराते बालामऊ विधायक रामपाल वर्मा एमएलसी अशोल अग्रवाल व अन्य

कछौना (हरदोई)। उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रक्रिया मंगलवार को विकासखंड परिसर कछौना में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई! निर्धारित समयावधि में मात्र एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया! नामांकन स्थल पर प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थी जिससे पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके!

विकास खंड कछौना परिसर में मंगलवार को हुए नामांकन के दौरान मात्र एक भाजपा समर्थित प्रत्याशी आशुतोष शुक्ला राकू के साथ बालामऊ विधायक रामपाल वर्माए विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल सहित समर्थकों की अच्छी खासी उपस्थित रही! प्रशासन की पूर्व निर्धारित योजना व्यवस्था के चलते किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होने दी गई! बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में नामांकन पत्रों की जांच की गई! निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्रों की जांच के बाद सूची जारी की जाएगी! इसके बाद नाम वापसी प्रक्रिया की औपचारिकता पूरी की जायेगी! बैंक से जुड़े सदस्यों व पार्टी पदाधिकारियों में अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखा गया! अध्यक्ष पद को लेकर इस चुनाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि बैंक की नीतियों, ऋण वितरण व्यवस्था एवं किसानों के हित से जुड़े कई अहम निर्णय आगामी कार्यकाल में लिए जाने हैं! निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार चुनाव की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं नियमों के अनुरूप कराई जा रही है! नामांकन के अवसर पर प्रत्याशी के साथ मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (भाजयुमो) संचित अग्रवाल, भाजपा जिला मंत्री अजय शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष (पि०मो०) डॉ० शिवराज सिंह पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष महामंत्री सुशील गुप्ता, रामशंकर शुक्ला, मण्डल अध्यक्ष मयंक सिंह, अजय बाजपेई, हर्षवर्धन मिश्रा, सत्यम सिंह, शिरीष मिश्रा, गौतम कनौजिया, बबलू सिंह सहित कई कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे!

शिक्षित व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता हैः डॉ0 आदर्श

राष्ट्रीय प्रस्तावना

संगोष्ठी को सम्बोधित करते डॉ० आदर्श फोटोः राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार ग्रामोदय पी0जी0 कालेज डिघिया खेरिया में सामाजिक समरसता एवं शैक्षिक विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता समाजसेवी शिक्षाविद् सुशील मिश्र ने की। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता के रूप मे भाजपा नेता डॉ० आदर्श दीपक मिश्र एडवोकेट ने कहा शिक्षा प्रत्येक सभ्य समाज की रीढ़ होती है तथा यह देश की प्रगति और समृद्धि का सूचक है! शिक्षा लोगों के शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक और भावनात्मक विकास में सहायक करके उनके व्यक्तित्व का निर्माण करती है! उन्होंने कहा कि सपने दो तरह के होते है! एक वो जो सोये में हम देखते है!और दूसरे वो जो हमें सोने ही नहीं देते ! युवाओं को बराबर ऐसे सपने देखने चाहिए जो उनमें बेचैनी पैदा करते है! उन्हे ऊर्जान्वित करते है! शिक्षा से ही सामाजिक समरसता सम्भव है! दलित चिंतक शिक्षाविद वनवारी लाल वर्मा ने कहा देश के तेजस्वी और यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सफल नेतृत्व में भारत का आज नवनिर्माण हो रहा है! कश्मीर से कन्याकुमारी तक आज भारत केवल भावनात्मक रूप से नहीं वरन संवैधानिक रूप से भी पूर्णतया एक है आज पूरे भारत का एक संविधान और एक राष्ट्रीय ध्वज है यह अत्यंत गौरव की बात है! गोष्ठी का संचालन डॉ० अभय शंकर मिश्र ने किया। संगोष्ठी में प्रमुख रूप से आदित्य वर्मा, परविंदर वर्मा, राम बहादुर सिंह यादव, मुलायम सिंह यादव, उमेश मिश्रा, अंकित सिंह, गौतम राठौर, अयूब खान, राजीव कश्यप, उमेश कुशवाहा, अनुराग, सुयश प्रकाश सहित कई लोग उपस्थित रहे!

जिलाधिकारी ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिलाधिकारी अनुनय झा ने राजनैतिक दलों के सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय में वैयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान उन्होने ईवीएम, वीवी पैट आदि के सम्बन्ध में जानकारी तथा सुरक्षा, निगरानी और भण्डारण व्यवस्था को दुरूरत रखने के निर्देश दिये तथा कहा कि सीसी टीवी कैमरों का नियमित संचालन किया जाये, जिससे समस्त गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहे।

अवैध गोश्त कारोबारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। पिछले एक सप्ताह से शहर के मोहल्ला महमंद में एक बंद पड़े मकान में जानवरों को काटकर दुकानदारों को

गोश्त सप्लाई करने वाले राजा कुरैशी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। राजा कुरैशी के अवैध कारोबार की शिकायत भाजपा नेता राजीव नयन दीक्षित ने आईजीआरएस के माध्यम से मुख्यमंत्री से शिकायत की थी। तस्लीम उर्फ राजा पुत्र असलम महमंद मोहल्ले में रहकर बिना लाइसेंस बरेली से गोश्त लाकर शाहाबाद के लाइसेंस धारी गोश्त कारोबारी को बिक्री कर रहा था। अवैध कारोबार की भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के संयोजक राजीव नयन दीक्षित ने मुख्यमंत्री से शिकायत करके कारोबार को बंद करने की मांग की थी। उसके बाद पुलिस एक्शन में आई और पुलिस ने तस्लीम उर्फ राजा को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ कार्रवाई की। खाद्य विभाग और पुलिस की मिली भगत के चलते राजा का बिना लाइसेंस कारोबार धड़ल्ले के साथ चल रहा था। भाजपा नेताओं के सक्रिय होने के बाद राजा को गिरफ्तार किया गया।

उधरनपुर गौतम मौर्य हत्याकांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली छेत्र के ग्राम बेहटा कोला में गन्ने के खेत में मिले युवक के शव के संयुक्त पुलिस टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा कर दिया है। आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां से जेल भेज दिया गया। 23 अक्टूबर को राजपाल पुत्र रामदीन मौर्य निवासी ग्राम उधरनपुर द्वारा थाना शाहाबाद पर

पुलिस गिरफ्त में हत्यारोपी

तहरीर दी गई कि उसका भाई गौतम उर्फ गबडू घर से खाना खाने के बाद कहीं चला गया था। जिस का शव 02 नवम्बर 2025 को ग्राम बेहटा कोला गांव के बाहर गन्ने के खेत में मिलने की सूचना प्राप्त हुई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात हत्यारों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। और पुलिस को अतिथि शीघ्र खुलासे का निर्देश दिया। थाना पाली पुलिस द्वारा हत्याकांड में प्रकाश में आये दीपक कटियार पुत्र स्व0 सुरेश बाबू निवासी ग्राम उधरनपुरए अनुज पाल पुत्र रामबरन पाल ग्राम उधरनपुर को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि 23 अक्टूबर को मृतक गौतम उर्फ गबडू पुत्र रामदीन गांव के ही दीपक कटियार पुत्र स्व0 सुरेश बाबूए अनुज पाल पुत्र रामबरनाल व अनीश पाल पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम उधरनपुर के साथ बेहटा कोला गांव में जुआ खेलने जा रहे थे। रास्ते में जुआ खेलने के पैसे के लेन.देन को लेकर विवाद हो गया। विवाद में ही मृतक गौतम उर्फ गबडू उपरोक्त के गिरने से सिर में चोट लग गई। चोट लगने के कारण गौतम उर्फ गबडू ने 112 न0 पर काल लगाना चाहा तो दीपक कटियार, अनुज पाल व अनीश पाल ने पकडे जाने के डर के कारण गौतम उर्फ गबडू की हत्या कर दी और शव को गन्ने के खेत में छिपा दिया था। पुलिस ने गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयासरत है।

हिन्दू मात्र एक धर्म नहीं देश की अस्मिता का प्रतीक हैः पंकज

भरावन (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मंगलवार को विकास खंड भरावन के बाबा अमरेश्वर महादेव मन्दिर हर्रेया धाम भटपुर में हिन्दू सम्मेलन और सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। हिन्दू सम्मेलन में क्षेत्र के साधु संतो और सम्मानित लोगो को जय श्री राम का पटका और शाल ओढाकार सम्मानित करते हुये बताया हिन्दू मात्र एक धर्म नही, अपितु देश की अस्मिता का प्रतीक है। सुन्दरकाण्ड का पाठ साधु संतो में करते हुये संत अवधेश तिवारी बाबा नें बताया हिन्दू समाज को जाग्रत करना जरूरी है अन्यथा भारी नुकसान हो सकता है, हिन्दू समाज को एकजुट करना यह हम सबकी जिम्मेदारी है जों देश हित में है। जिला कार्यवाहक संघ डॉ० ब्रजमोहन नें बताया हिन्दू सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक समरसता कैसे बढ़े ऊंच नींच जाति पात मिटाकर एकजुट होकर कार्य करे। कार्यक्रम में प्रमोद सिंह, प्रशांत त्रिपाठी, खंड प्रचारक अनुभव, भोला शुक्ला रामस्वरूप सिंह, दुर्गेश राष्ट्रवादी, ब्रजेश मिश्रा सहित कई साधु संत मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के दौरान स्वामी विवेकानंद के जीवन एवं कार्यों पर चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। मेरा युवा भारत हरदोई के तत्वाधान में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा सप्ताह के समापन दिवस के अवसर पर युवा मंडल सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि की। युवा सप्ताह का यह सप्ताह 13 जनवरी से 19 जनवरी तक मनाया गया। इस दौरान स्वामी विवेकानंद जी के जीवन एवं कार्यों से युवाओं को अवगत कराते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया! इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिसमें विद्यालय के कई छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया!

इस अवसर पर मोतीलाल कृषक शिक्षा निकेतन ए हेमनखेड़ा के प्रधानाचार्य उदय प्रताप सिंह ने स्वामी जी के विषय में बताते हुए कहा कि वह आज भी युवाओं के सबसे बड़े प्रेरणास्त्रोत हैं जिन्होंने भारत की संस्कृति और अध्यात्म को विश्व स्तर पर स्थान दिलाया। परिचर्चा में इस विषय पर कार्यक्रम संयोजक मृदुल अवस्थी और असीम अली द्वारा भी स्वामी जी के विषय में विस्तार से युवाओं को बताते हुए कहा गया कि स्वामी जी के मूल्यों और आदर्शों को युवाओं तक पहुंचने के लिए भारत से जोड़कर उन्हें अपने व्यक्तित्व विकास के अवसर प्रदान किए जाते हैं! जिसमें युवाओं को बढ़-चढ़कर भागीदारी करनी चाहिए।

सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाहीः ईओ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गुरसहायगंज कस्बे में सड़क किनारे लगे मौरम, गिट्टी और ईंटों के ढेर

कन्नौज। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला पर्यावरण समिति की इस माह आयोजित हुई बैठक में निर्देशित किया गया कि सड़क एवं फुटपाथ के किनारे किसी भी प्रकार का निर्माण अथवा विध्वंस सामग्री का संग्रह पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। उक्त निर्देशों के अनुपालन में बुधवार को नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज के अधिशाषी अधिकारी द्वारा नगर के जोनल सफाई प्रभारियों के माध्यम से नगर क्षेत्र में सर्वेक्षण कराया गया। जिसमें पाया गया कि कुछ लोगों द्वारा सड़क किनारे अतिक्रमण कर गिट्टी मौरम का व्यवसाय किया जा रहा है !

नगर पालिका परिषद गुरसहायगंज के अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि जिला पर्यावरण समिति द्वारा जारी किए गए निर्देशों के क्रम में नगर पालिका द्वारा सर्वेक्षण कराया गया। सर्वेक्षण के

दौरान आठ व्यक्तियों द्वारा सड़क किनारे अवैध रूप से निर्माण एवं विध्वंस सामग्री एकत्रित किए जाने का मामला संज्ञान में आया है। इस संबंध में नगर पालिका स्तर से संबंधित व्यक्तियों को दो दिवस के भीतर स्वयं अपनी सामग्री हटाकर निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु चेतावनी जारी की गई है। निर्धारित अवधि में अनुपालन न होने की स्थिति में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सामग्री जब्ती एवं 50 हजार रुपए तक का जुर्माना आरोपित किए जाने की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। नगर पालिका परिषद द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि नगर की स्वच्छताए यातायात सुगमता एवं पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत सड़क एवं फुटपाथ को अतिक्रमण एवं अवरोध से मुक्त रखने में सहयोग करें।

किसान (एन.एफ.एल.) खाद कम्पनी ने हरदोई में खोला रिटेल आउट लेट

बघौली (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। आपको बताते चले हरदोई में किसान की जरूरत के हिसाब से किसान एनएफ एल खाद कम्पनी ने रिटेल आउटलेट का शुभ आरम्भ कर दिया है जिसमें किसानों को गुणवत्ता युक्त खाद बीज एवं दवाई मिल सकेंगेएनेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली के अंतर्गत जिला हरदोई मे अनाज मंडी गेट के पास नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड किसान धन (NDSC) का शुभारंभ ईश्वर वंदना के साथ हर्षोल्लास एवं गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। यह उद्घाटन समारोह क्षेत्र के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में माना जा रहा है। भव्य उद्घाटन समारोह में एनएफएल के राज्य प्रबंधक पंकज विजयवर्गीय, हरदोई कृषि विभाग से अधिकारी अमीनुद्दीन अंसारी क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी रियाज खान, जिला प्रभारी मनीष अवस्थी, क्षेत्र के किसानगण एवं कंपनी के प्रतिष्ठित थोक उर्वरक विक्रेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कृषि कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे किसानों में विशेष उत्साह देखने को मिला। एनएफएल के इस डायरेक्ट सेल सेंटर के माध्यम से किसानों को कंपनी से सीधे उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरक उचित दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे समय पर उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा एवं अनियमित भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। यह व्यवस्था उर्वरक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के साथ-साथ किसानों की लागत घटाने में भी सहायक सिद्ध होगी।

दिव्य व विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। राघौपुर मंडल में विराट हिन्दू सम्मेलन के अंतर्गत भूमि पूजन एवं वैचारिक कार्यक्रम का आयोजन सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सुभाष का मार्गदर्शक उद्बोधन हुआए जबकि अध्यक्षता समाजसेवी रश्मि ने की। अपने उद्बोधन में सुभाष ने कहा कि हिंदुस्तान हमारी मातृभूमि है और हमारे पूर्वज हिन्दू रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन मूल्यों ने विश्व को दिशा दी है, इसलिए हिन्दू पहचान स्वाभाविक और गौरवपूर्ण है। उन्होंने जाति, भाषा, भूषा, रंग और छुआछूत जैसे भेदभाव को त्यागकर सामाजिक समरसता को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में हिन्दू समाज आत्मविश्वास के साथ संगठित हो रहा है। उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि जहाँ भगतसिंह का जन्म हुआ, वह लाहौर आज भी हमारी सांस्कृतिक स्मृति

का अभिन्न हिस्सा है, जो राष्ट्रबोध और ऐतिहासिक चेतना को दर्शाता है। अध्यक्षीय भाषण में रश्मि ने समाज से जातिगत अहंकार और हीन भावना से ऊपर उठने की अपील की। उन्होंने परिवार संस्था की रक्षा को समय की आवश्यकता बताया और समाज को जिहाद, तलाक जैसी सामाजिक विकृतियों तथा व्यसन से दूर रखने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने हिन्दू समाज की एकता, सामाजिक जागरण और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।? कार्यक्रम में मंचासीन रूप से सुभाष, सुधांशु, रश्मि, श्यामू महाराज, राजेंद्र सहित राघौपुर मंडल हिन्दू सम्मेलन समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सरकार ने माँग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो होगी राष्ट्रव्यापी हड़तालः राकेश कुमार पांडेय

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पाँच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह की माँग को लेकर आंदोलनरत बैंककर्मियों ने मंगलवार को ड्यूटी के दौरान काले बैज पहनकर विरोध दर्ज कराया। लंबे समय से लंबित इस माँग को लेकर अब बैंककर्मी आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। इसी क्रम में 27 जनवरी 2026 को देशभर में बैंककर्मी हड़ताल पर रहेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस की स्थानीय इकाई के संयोजक राकेश पाण्डेय ने बताया कि बैंक प्रबंधन की प्रतिनिधि संस्था इंडियन बैंकर्स एसोसिएशन (आईबीए) द्वारा पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह पर लिखित सहमति दिए जाने के बावजूद सरकार द्वारा इसे अब तक लागू नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में बैंककर्मियों के पास हड़ताल के अलावा कोई विकल्प शेष नहीं रह गया है।

उन्होंने आगे बताया कि इस माँग को लेकर आंदोलन के कई चरण पहले ही पूरे किए जा चुके हैं। देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हैशटैग अभियान चलाया गया तथा सभी बैंककर्मियों द्वारा हस्ताक्षर कर सरकार को ज्ञापन भेजे गए। यदि सरकार ने माँग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो राष्ट्रव्यापी हड़ताल अवश्यम्भावी है। 27 जनवरी की हड़ताल के कारण बैंकों में लगातार चार दिन तक कामकाज प्रभावित रहेगा। 24 जनवरी को चौथा शनिवार होने के कारण बैंक बंद रहेंगे, 25 जनवरी को रविवार का साप्ताहिक अवकाश रहेगा, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के कारण बैंक बंद रहेंगे तथा 27 जनवरी को हड़ताल के चलते बैंकों में कोई कार्य नहीं होगा।

वरिष्ठ पत्रकार हुआ निधन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद, डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के प्रबंधक और ग्रामीण

पत्रकार एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह का आकस्मिक निधन हो गया। सुबह लगभग 4 बजे तबीयत बिगड़ने पर उन्हें स्थानीय बाला जी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर किया, लेकिन हॉस्पिटल परिसर में ही एम्बुलेंस के भीतर उनका निधन हो गया। अखिलेश सिंह लंबे समय से पत्रकारिता से जुड़े रहे और अपने अनुशासित जीवन, शानदार लेखन व जज्बे के लिए पहचाने जाते थे। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में कई मिसालें कायम कीं और युवा पत्रकारों को निष्पक्ष व ज़िम्मेदार पत्रकारिता के लिए प्रेरित किया। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान उल्लेखनीय रहा। उनके निधन से पत्रकारिता जगत को अपूरणीय क्षति पहुंची है। अखिलेश सिंह अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन की ख़बर से पत्रकारों, शिक्षाविदों और शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है। अंतिम संस्कार पैतृक गांव आशा में होगा। इस दुख की घड़ी में राष्ट्रीय प्रस्तावना मीडिया परिवार अखिलेश सिंह की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै राम मोहन पुत्र रामपाल, पता-ग्राम मोहनपुर, मजरा टेनी, ब्लाक-हरियावाँ, जनपद-हरदोई का निवासी हूँ। मेरे पुत्र के आधार कार्ड तथा शैक्षिक अभिलेखो में नाम अनिमेष कुमार पाल तथा जन्मतिथि 01.01.2015 अंकित है, जोकि गलत है। मेरे पुत्र का सही और शुद्ध नाम अनुभव प्रताप तथा जन्मतिथि-01.01.2016 है जोकि जन्म प्रमाण पत्र में भी अंकित है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै सेवा लाल पुत्र श्री सिरदार, पता-ग्राम कलौली थाना कछौना, जनपद-हरदोई का निवासी हूँ। मेरे पुत्र दीपक वर्मा का नाम आधार कार्ड में साहिर वर्मा हो गया है, जोकि गलत है। मेरे पुत्र का सही और शुद्ध नाम दीपक वर्मा (DEEPAK VERMA) है जोकि उसके हाई स्कूल के प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र में भी दर्ज है। मेरे पुत्र का आधार कार्ड में साहिर वर्मा की जगह संशोधित करते हुए उसका सही और शैक्षणिक दस्तावेजो व जन्म प्रमाण पत्र के अनुसार शुद्ध करके दीपक वर्मा करना आवश्यक है। मेरे पुत्र को दीपक वर्मा के नाम से ही लोग जानते व पहचानते है। विद्यालय के समस्त रिकार्डो में भी उसका नाम दीपक वर्मा ही है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री जयराम, पता-ग्राम टिकरा, पोस्ट-मदारा, थाना कोतवाली देहात, जनपद-हरदोई का निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड में नाम की अंग्रेजी स्पेलिंग में त्रुटिवश RAJEND PRASAD दर्ज हो गया है और हिन्दी के नाम में भी त्रुटि है जो राजेंद्र प्रसाद दर्ज है जबकि मेरे शैक्षणिक अभिलेख (हाई स्कूल अंकपत्र) में उसका सही नाम राजेन्द्र प्रसाद/ (RAJENDRA PRASAD) है। मेरे आधार कार्ड में नाम शुद्ध व सही रूप में अंग्रेजी में RAJENDRA PRASAD एवं हिन्दी में राजेन्द्र प्रसाद करना अति आवश्यक है।

दुनिया से जाने के बाद की जिंदगी का डिजिटल अवतार

एआई का प्रयोग करके मृतकों को पुनःजीवित किया जा रहा है ताकि परिजनों को दिलासा दिया जा सके। ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इन्हें सांत्वना देने वाले टूल्स के रूप में मार्किट किया जा रहा है। एआई टेक्नोलॉजी मृतक की हूबहू कापी, आवाज और भाव बना देती है, जिससे परिवार वर्चुअली मृतक से मिलकर बात कर सकता है। हालांकि इसके उपयोग के औचित्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सिग्मंड फ्रायड ने कहा था कि इंसानों को अपने अमर होने का यकीन है। इसलिए मौत पर चर्चा करना आम तौर पर भयावह, घृणास्पद, विकट और रोग समझा जा सकता है। जब से टेक्नोलॉजी ने मरने की प्रक्रिया को दीर्घ व जटिल बनाया है तब से यह लेखिका अच्छी मौत के कारणों पर विचार कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को ध्यान में रखते हुए कि सम्मान के साथ मरना मौलिक अधिकार है, मौत की गुणवत्ता के महत्व पर ध्यान दिया जाना स्वाभाविक ही होगा। अच्छी मौत में रोगी की इच्छाओं का संज्ञान लिया जाता है कि उसकी उपचार संबंधी प्राथमिकताएं क्या हैं, उसे जिंदगी और मौत की कैसी गुणवत्ता चाहिए व इसके साथ ही उसके सम्मान को भी बरकरार रखा जाये। आज मौत का अर्थ है जीवन का अंत। लेकिन अल्फा पीढ़ी के लिए यह कुछ अलग हो सकता है। इस नयी जेनरेशन के लिए परम्परागत जीवन के अंत के बाद अनंत डिजिटल जीवन एक विकल्प हो सकता है। मसलन, ग्रीफबोट्स वह एआई सिस्टम्स हैं जो मृत व्यक्ति के व्यक्तित्व, बोलने के अंदाज और व्यवहार का अनुकरण (सिमुलेट) करते हैं। इसके तहत वर्चुअल ह्यूमनोइड अवतार को ट्रेन किया जाता है कि वह टेक्स्ट मैसेज, ईमेल, सोशल मीडिया पोस्ट्स और वीडियोज तैयार कर व भेजे। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जितना अधिक डाटा सप्लाई किया जायेगा उतना ही वास्तविक अवतार होगा। इस डिजिटल प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगकर्ता यानी यूजर अपने प्रियजन के डिजिटल वर्जन को देख व सुन सकेंगे और उससे बातें भी कर सकेंगे। बातचीत करने वाला एआई इमेज सिंथेसिस व वॉइस क्लोनिंग का प्रयोग करता है। डिजिटल जुड़वां बनाने के लिए वह रियल-टाइम में प्राकृतिक भाषा व भावनाओं के साथ प्रतिक्रिया करता है। यहां उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट दिसम्बर, हियरआफ्टर एआई और स्टोरीफाइल जैसे प्लेटफॉर्म्स ग्रीफबोट का अनुभव प्रदान करते हैं।

एआई टेक्नोलॉजी मृतक की हूबहू कापी, आवाज और भाव बना देती है, जिससे परिवार वर्चुअली मृतक से मिलकर बात कर सकता है। हालांकि इसके उपयोग के औचित्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सिग्मंड फ्रायड ने कहा था कि इंसानों को अपने अमर होने का यकीन है। इसलिए मौत पर चर्चा करना आम तौर पर भयावह, घृणास्पद, विकट और रोग समझा जा सकता है। जब से टेक्नोलॉजी ने मरने की प्रक्रिया को दीर्घ व जटिल बनाया है तब से यह लेखिका अच्छी मौत के कारणों पर विचार कर रही हैं।

ग्रीफबोट्स को मृत व्यक्ति के परिजनों को सांत्वना देने वाले टूल्स के रूप में मार्किट किया जा रहा है। लोग अपने प्रियजनों की मौत को स्वीकार नहीं कर पाते हैं। वह चाहते हैं कि जीवन जैसे डिजिटल अवतार से निरंतर संपर्क में रहें। लेकिन इसके लम्बे समय तक प्रयोग करने से भावनात्मक उपचार बाधित हो सकता है, जिससे अस्वस्थ निर्भरताएं उत्पन्न हो सकती हैं। ग्रीफबोट्स से मृतक के सम्मान को सुरक्षित रखने के संदर्भ में सवाल उठते हैं। गलत प्रतिनिधित्व और मौत से पहले मंजूरी न लेने से चिंताएं उत्पन्न होती हैं। निजता के मानकों का सख्ती से पालन करना कठिन है और साथ ही देयता, जिम्मेदारी व जवाबदेही को भी। मौत के बाद डिजिटल जीवन को डिजिटल आफ्टर लाइफ, डिजिटल इम्मोर्टेलिटी, वर्चुअल इम्मोर्टेलिटी व भौतिक मृत्यु के बाद व्यक्ति की स्थायी ऑनलाइन उपस्थिति कहा जाता है। आज व्यक्ति के व्यक्तित्व, यादों और चेतना को डिजिटल प्लेटफार्म (कंप्यूटर, ह्यूमनोइड या साइबरस्पेस) पर स्टोर या क्लोन करना संभव है। मूल व्यक्ति की अवतार नकल वर्चुअल वातावरण में 'अनंत जीवन' को मुमकिन बनाती है। इस विविधता को प्रभावी बनाने के लिए इसमें मूल्यों, आस्थाओं और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को शामिल करना आवश्यक है। रोगियों पर एआई आधारित निर्णयों का भावनात्मक व मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ना चिंता का विषय है। ग्रीफबोट्स का जिस तेजी से व्यवसायीकरण हो रहा है वह जिम्मेदारी भरे डिप्लॉयमेंट, शोध व नियमों को पीछे छोड़ रहा है। ग्रीफबोट्स वास्तविकता व कल्पना के बीच की रेखा को धुंधला कर सकता है, जिससे नुकसान को स्वीकार करके आगे बढ़ने की प्राकृतिक प्रक्रिया बाधित हो सकती है। 'रि-मेमोरी' एआई-आधारित स्मृति-सेवा (दिवंगत व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने और उसकी यादों को सम्मान देने के लिए आयोजित कार्यक्रम) है, जिसे डीपब्रेन एआई ने विकसित किया है, जिससे जिंदा लोग अपने मृत प्रियजनों से अति वास्तविक डिजिटल अवतार से संपर्क कर सकते हैं।

ट्रंप युग की आक्रामक नीतियां और बदलती वैश्विक व्यवस्था

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका द्वारा ब्रिक्स देशों भारत, रूस, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी को केवल व्यापारिक नीति के रूप में देखना भूल होगी। यह कदम वास्तव में उभरती बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। ब्रिक्स देशों द्वारा डीडोलराइजेशन की दिशा में उठाए जा रहे कदम, अर्थात आपसी व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग, अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधी चुनौती देते हैं। डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अमेरिका की शक्ति का प्रमुख आधार रही है, और जब यह आधार हिलता है, तो अमेरिका असहज हो जाता है। ब्रिक्स देशों की बढ़ती आर्थिक साझेदारी, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां और साझा वित्तीय संस्थाएं अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही हैं। इसी कारण अमेरिका न केवल छोटे और निर्भर देशों पर, बल्कि भारत, चीन और रूस जैसे बड़े और आत्मनिर्भर देशों पर भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है।

हाल के वर्षों में अमेरिकी नीतियों और निर्णयों पर दृष्टि डालें तो यह स्पष्ट होता है कि अमेरिका एक बार फिर अपनी पुरानी साम्राज्यवादी मानसिकता की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन द्वारा उठाए गए कई कदम अंतरराष्ट्रीय कानून और कूटनीतिक मर्यादाओं को चुनौती देते हैं, वहीं वैश्विक शक्ति संतुलन को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को रात्रि में गिरफ्तार कर अमेरिका लाकर उन पर मुकदमा चलाने की धमकी और वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास इसी साम्राज्यवादी सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसी क्रम में अमेरिका की निगाह डेनमार्क द्वारा शासित ग्रीनलैंड द्वीप पर भी टिकी हुई है। ग्रीनलैंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, परंतु यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि डेनमार्क नाटो का सदस्य और अमेरिका का मित्र राष्ट्र है। किसी मित्र राष्ट्र की संप्रभुता को चुनौती देकर उसके अधीन क्षेत्र को बलपूर्वक अपने अधिपत्य में लेने का प्रयास अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अस्वीकार्य है। इससे पहले ट्रम्प द्वारा कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी भी इसी मानसिकता को उजागर करती है। कनाडा भी अमेरिका का घनिष्ठ सहयोगी रहा है, किंतु साम्राज्यवादी सोच के आगे मित्रता और साझेदारी भी गौण हो जाती है। अमेरिका द्वारा ब्रिक्स देशों भारत, रूस, चीन और ब्राजील पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी को केवल व्यापारिक नीति के रूप में देखना भूल होगी। यह कदम वास्तव में उभरती बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है। ब्रिक्स देशों द्वारा डीडोलराइजेशन की दिशा में उठाए जा रहे कदम, अर्थात आपसी व्यापार में स्थानीय मुद्राओं का उपयोग, अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधी चुनौती देते हैं। डॉलर आधारित वैश्विक वित्तीय व्यवस्था अमेरिका की शक्ति का प्रमुख आधार रही है, और जब यह आधार हिलता है, तो अमेरिका असहज हो जाता है। ब्रिक्स देशों की बढ़ती आर्थिक साझेदारी, वैकल्पिक भुगतान प्रणालियां और साझा वित्तीय संस्थाएं अमेरिका के लिए एक रणनीतिक खतरे के रूप में उभर रही हैं। इसी कारण अमेरिका न केवल छोटे और निर्भर देशों पर, बल्कि भारत, चीन और रूस जैसे बड़े और आत्मनिर्भर देशों पर भी दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। किंतु अमेरिका यह भूल जाता है कि जिन देशों की अर्थव्यवस्था, जनसंख्या, संसाधन और बाजार विशाल हैं, वे किसी एक शक्ति के दबाव में आने वाले नहीं हैं। ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति को यदि 'हस्तक्षेपवाद 2.0' कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। इतिहास गवाह है कि पिछले ढाई सौ वर्षों में अमेरिका ने विश्व के विभिन्न देशों में लगभग 400 बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप किया है। आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य कार्रवाई, सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना अमेरिका की नीति का हिस्सा रहा है। आज भी यही प्रवृत्ति नए रूप में सामने आ रही है। भारत और चीन पर रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण दबाव बनाना इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका अब यह तय करना चाहता है कि कौन सा देश किससे व्यापार करेगा। यह न केवल साम्राज्यवाद, बल्कि अधिनायकवादी मानसिकता की चरम अवस्था है। अमेरिका द्वारा 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपनी सदस्यता समाप्त करना भी इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यह कदम वैश्विक सहयोग और बहुपक्षीय व्यवस्था को कमजोर करता है। अमेरिका अब किसी साझा मंच पर विश्व का नेतृत्व करने के बजाय एकपक्षीय शक्ति मॉडल के माध्यम से विश्व पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को कमजोर कर अमेरिका यह संदेश दे रहा है कि वह केवल उन्हीं नियमों को मानेगा जो उसके हित में हों। वर्तमान में ट्रंप प्रशासन इस बात से भी चिंतित है कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र पश्चिम से पूर्व की ओर खिसकता जा रहा है। एशियाई देशों की बढ़ती भूमिका, विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तकनीकी क्षमता अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती दे रही है। चीन, रूस और भारत का एक साथ उभरना अमेरिका को स्वीकार नहीं है। साथ ही, अमेरिका नहीं चाहता कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बढ़ाए, यूरोपीय यूनियन स्वतंत्र विदेश नीति अपनाए या डीडोलराइजेशन को गति मिले। यूरोपीय यूनियन के देशों में भी अमेरिका के प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है। यही कारण है कि वे अपने रक्षा बजट में अभूतपूर्व वृद्धि कर रहे हैं। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका और यूरोप के बीच उत्पन्न तनाव नाटो जैसे सैन्य गठबंधन के अस्तित्व पर भी प्रश्नचिह्न लगा सकता है। नाटो के कई सदस्य देशों ने स्पष्ट कहा है कि ग्रीनलैंड पर हमला नाटो पर हमला माना जाएगा, जो भविष्य में गंभीर टकराव का संकेत है। आज की वैश्विक परिस्थितियों को एक 'सर्वांगी कूटनीतिक युद्ध' के रूप में देखा जा सकता है। इसमें प्रत्यक्ष सैन्य संघर्ष के बजाय तेल, मुद्रा, तकनीक, समुद्री मार्ग, सप्लाई चेन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे साधनों के माध्यम से दबाव बनाया जा रहा है। अमेरिका चाहता है कि वित्त, व्यापार, सैन्य गठबंधन और तकनीक एक बार फिर उसी की चौखट पर खड़े हों। उसका उद्देश्य तीसरा विश्व युद्ध नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था का अपने पक्ष में पुनर्गठन है। अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस जैसे मंच से अमेरिका का बाहर निकलना यह दर्शाता है कि वह पर्यावरण और वैश्विक कल्याण जैसे मुद्दों पर भी सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है। जबकि जलवायु परिवर्तन जैसे संकट से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग अनिवार्य है। भारत और फ्रांस के नेतृत्व में बना यह मंच विकासशील देशों के लिए आशा की किरण है। आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अकेले चलना संभव नहीं है। परस्पर सहयोग, मुक्त व्यापार समझौते और क्षेत्रीय साझेदारियां ही भविष्य का मार्ग हैं। अमेरिका को छोड़कर शेष विश्व नए समीकरण गढ़ रहा है। यह संकेत है कि यदि अमेरिका अपनी साम्राज्यवादी सोच पर अड़ा रहा, तो वह स्वयं को वैश्विक मंच पर अकेला पा सकता है। यही कारण है कि अमेरिका की साम्राज्यवादी नीतियों के विरुद्ध आज नए वैश्विक समीकरण आकार ले रहे हैं।

हिमाचल में हिम अकाल खतरे का संकेत

प्रेम शर्मा

प्रकृति एक नाजुक संतुलन पर टिकी है, और इंसान जब अपने स्वार्थ के लिए इस संतुलन को बिगाड़ता है, तो प्रकृति अपना हिसाब बराबर करती है। अब हिमाचल प्रदेश में हिम अकाल एक गंभीर खतरे के रूप में हमारे सामने है। जो कम बर्फबारी, तापमान वृद्धि और वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण बन रहा है, जिससे जल स्रोतों, कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है।

अक्सर प्रकृति के संतुलन बिगाड़ने के विनाशकारी परिणाम सामने आते हैं। बेमौसम बारिश, सूखा, बाढ़, ग्लोबल वार्मिंग और अन्य प्राकृतिक आपदाएँ इसके घातक परिणाम है। इंसान के लालच और अंधाधुंध दोहन का नतीजा, प्रकृति के नियमों को तोड़ने पर होने वाले प्रलय या असंतुलन को दर्शाता है, जिसके कारण मानव जाति को भयानक परिणाम भुगतने पड़ते है। प्रकृति एक नाजुक संतुलन पर टिकी है, और इंसान जब अपने स्वार्थ के लिए इस संतुलन को बिगाड़ता है, तो प्रकृति अपना हिसाब बराबर करती है। अब हिमाचल प्रदेश में हिम अकाल एक गंभीर खतरे के रूप में हमारे सामने है। जो कम बर्फबारी, तापमान वृद्धि और वर्षा पैटर्न में बदलाव के कारण बन रहा है, जिससे जल स्रोतों, कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान हो रहा है और निकट भविष्य में पारिस्थितिक आपदा की आशंका बढ़ गई है, क्योंकि नदियाँ सूख रही हैं और जमीन का सुरक्षा कवच कमजोर हो रहा है, जिससे सूखा, आग और अन्य आपदाओं का खतरा बढ़ रहा है। ज्ञात हो कि 1990 के दशक की तुलना में शिमला में बर्फबारी लगभग 37 प्रतिशत कम हो गई है, यही नही दिसंबर 2022, 2023, 2024 पूरी तरह सूखे रहे हैं। ऊंचे पहाड़, बुग्याल (घास के मैदान) और प्रसिद्ध तीर्थ स्थल (जैसे केदारनाथ, औली) बर्फ के बजाय सूखे और वीरान दिख रहे हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ के बजाय हल्की कोहरे की परत जम रही है, जिससे वनस्पति और मिट्टी को नुकसान हो रहा है। नाजुक जैव-नेटवर्क और वन्यजीवों पर विपरीत असर पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें नमी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में ग्राउंडवाटर रिचार्ज नहीं हो रहा, नदियां सूख रही हैं और रबी फसलों को नमी नहीं मिल पा रही है।पर्यटन, कृषि और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है, जिससे सूखे की स्थिति बन सकती है। सर्दियों में बर्फ और बारिश लाने वाले ये सिस्टम कमजोर पड़ रहे हैं।जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है, जिससे मौसम का संतुलन बिगड़ रहा है। बर्फबारी और बारिश लेटलतीफी से आपदाओं को नकारा नही जा सकता। हिमाचल में प्रकृति का जो रूप दिख रहा है उसके परिणाम स्वरूप सूखे के कारण आग लगने और अकाल की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे जल संसाधनों पर दबाव बढ़ेगा। कुल मिलाकर, हिमाचल में कम बर्फबारी सिर्फ एक मौसम की विसंगति नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन और हिम अकाल का संकेत है, जो पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। वैसे भी देश इस सर्दी एक असामान्य और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। वैसे तो दिसंबर और जनवरी के महीनों में हिमालयी राज्यों में बारिश और बर्फबारी से पहाड़ ढक जाते हैं। इस बार स्थिति इसके ठीक विपरीत है। मौसम विभाग आंकड़े बताते हैं कि उत्तराखंड में दिसंबर और जनवरी में एक बूंद बारिश नहीं हुई, हिमाचल प्रदेश में दिसंबर 1901 के बाद यानी पिछले सवा सौ सालों में छठी सबसे कम बारिश दर्ज की गई। जम्मू-कश्मीर में जनवरी में बेहद कम बारिश और बर्फबारी हुई है। इसके परिणाम स्वरूप इस सर्दी हिमालय की चोटियां असामान्य रूप से बिना बर्फ की नजर आई।यह केवल मौसमीय विचलन नहीं, बल्कि जल सुरक्षा, कृषि उत्पादकता, जंगलों में आग और जलवायु अनिश्चितता से जुड़ा गंभीर संकेत हैं। हिमालय चुपचाप चेतावनी दे रहा है, ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या पहाड़ों की वेदना सुन, समझ पा रहे हैं ? जनवरी के पहले पखवाड़े में देश को सामान्य से चार गुना कम बारिश मिली. इस अवधि में जहां सामान्य तौर पर जितनी बारिश होनी चाहिए थी, उसका एक-चौथाई से भी कम दर्ज किया गया। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर-पश्चिम भारत की रही। जबकि इस अवधि में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सिर्फ 8 प्रतिशत बारिश ही हो पाई। देहरादून के निदेशक सी. एस. तोमर बता चुके है कि उत्तराखंड में पिछले एक दशक से सर्दियां लगातार सूखी होती जा रही हैं। उनके अनुसार पिछले 10 वर्षों में चार बार ऐसा हुआ है जनवरी में न के बराबर बारिश हुई। उनके अनुसार यह अब कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक नया ट्रेंड बनता जा रहा है। 2024-25 की सर्दियों में उत्तर-पश्चिम भारत में 96 प्रतिशत तक बारिश की कमी बेहद चिंताजनक है। वैसे तो सामान्य तौर पर सर्दियों में उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की से मध्यम बारिश होती है। यही बारिश गेहूं, सरसों, चना के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। पहाड़ों में बर्फ और बारिश भूजल भंडार को रिचार्ज करती है. नदियों को गर्मियों तक पानी देने में यही बर्फ पिघलकर अहम भूमिका निभाती है। लेकिन इस बार यही प्रक्रिया कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस सर्दी पश्चिमी विक्षोभ तो आए, लेकिन असर नहीं दिखा पाए। दिसंबर में जहां सामान्य तौर पर 6 पश्चिमी विक्षोभ आते हैं, इस बार 8 सिस्टम गुजरे, लेकिन बारिश नहीं करा सके। इसके पीछे कई कारण में पश्चिमी विक्षोभ में नमी की कमी, कम दबाव का क्षेत्र (ट्रफ) उथला होना शामिल है। इन्ही कारणों से नमी ऊपर नहीं उठ पाई, सिस्टम का उत्तर की ओर ऊंचे अक्षांशों में गुजरना, जिससे कश्मीर और हिमाचल में थोड़ी नमी गिरी, लेकिन उत्तराखंड तक पहुंच ही नहीं पाई और भारत पहुंचते-पहुंचते सिस्टम की गति कमजोर पड़ गई, जिससे उसका ठहराव कम हो गया। यह परिवर्तन इतना विस्तृत रहा कि भारत के साथ-साथ नेपाल में भी सूखी सर्दी देखने को मिल रही है। यह इस बात का संकेत है कि यह समस्या सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि पूरे हिमालयी क्षेत्र में फैली जलवायु अस्थिरता का हिस्सा है। अब तक अनुभवों के आधार पर कहा जाता है कि अगर दिसंबर में बर्फ गिरे, तो वह लंबे समय तक जमीन में नमी बनाए रखती है। पिघलाव धीमा होता है, जिससे खेतों और जंगलों को फायदा मिलता है। लेकिन जब बर्फ फरवरी में गिरती है, तब दिन और रात के तापमान में भारी अंतर कारण लंबे समय तक नमी नहीं टिक पाती और आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। आंकड़ों के मुताबिक उत्तराखंड में 1 नवंबर से अब तक 1,600 से ज्यादा फायर अलर्ट मिले जबकि हिमाचल प्रदेश में 600 और जम्मू-कश्मीर में करीब 300 आए। नंदा देवी नेशनल पार्क और वैली ऑफ फ्लावर्स जैसे संवेदनशील इलाकों में आग की घटनाएं सामने आई हैं। वनभूमि में नमी की कमी इसकी सबसे बड़ी वजह रही। वैसे भी हिमालयी ग्लेशियर पहले ही लगातार सिकुड़ रहे हैं अब अगर सर्दियों की बर्फबारी घटती है, तो संकट और गहरा सकता है। जहां बर्फ जमती और पिघलती है, उसका संतुलन बिगड़ जाएगा। जलवायु पैटर्न में आ रहे बदलाव हैं। चेतावनी साफ है, हिमालय की सूखी सर्दी सिर्फ यह संकेत है आने वाले जल संकट का, कृषि उत्पादन में गिरावट का, जंगलों और जैव विविधता पर खतरे का और भविष्य में अचानक बाढ़ और आपदाओं का कारक साबित होगा। अगर सर्दियों की बारिश और बर्फबारी इसी तरह अनिश्चित होती गई, तो इसका असर मैदानी इलाकों से लेकर महानगरों तक महसूस होगा।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

ललित गर्ग

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरें पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी। एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है। महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रूवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है। ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिर्णय का अवसर हैं-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए। बंगाल की बनती नई तस्वीर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह तस्वीर संघर्ष और संभावनाओं, आशंकाओं और उम्मीदों से बनी है। एक ओर सत्ता का अनुभव और जनाधार है, तो दूसरी ओर आक्रामक विपक्ष और राष्ट्रीय राजनीति की ताकत। लोकतंत्र की यही खूबी है कि वह अंतिम शब्द जनता को देता है। बंगाल के मतदाता ही तय करेंगे कि शह-मात की इस राजनीति में अगली चाल किसकी होगी और कौन-सा पक्ष अंततः बाजी मारेगा।

डीएम ने फार्मर रजिस्ट्री हुआ डिजिटल क्रॉप्ट सर्वे में शत-प्रतिशत प्रगति के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। डॉ. अमित पाल ने आज उदयन सभागार में फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की समीक्षा बैठक की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति हर हाल में सुनिश्चित की जाय। बैठक में उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी ने अवगत कराया कि जनपद में फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य 2,37,892 के सापेक्ष 1,60,284 कृषकों का पंजीकरण पूर्ण किया जा चुका है, जबकि शेष 77,608 कृषकों का फार्मर रजिस्ट्री कार्य अभी किया जाना है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों में से 1,33,806 कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है तथा 51,144 कृषकों का पंजीकरण शेष है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कृषि विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के कार्मिकों द्वारा किए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाए। साथ ही, अधिक से अधिक कैम्प आयोजित कर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लायी जाय। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति की दैनिक समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है अतः ग्राम प्रधानों एवं लाभार्थियों से प्रभावी समन्वय स्थापित कर कार्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी में विकासखंड मूरतगंज कार्यालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशाम्बी। डॉ. अमित पाल ने मंगलवार को कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी मूरतगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील दिवस पंजिका, आई.जी.आर.एस. पंजिका एवं जनसुनवाई पंजिका का अवलोकन किया। शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नम्बर अंकित न पाये जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए खण्ड विकास अधिकारी गिरिजेश प्रसाद को निर्देश दिये कि सभी पंजिकाओं में शिकायतकर्ताओं के मोबाइल नम्बर अनिवार्य रूप से अंकित किए जाएं तथा शिकायतों के निस्तारण की प्रभावी अनुश्रवण सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाय। जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के गठन की प्रगति की जानकारी लेते हुए बी.एम.एम. को लक्ष्य के सापेक्ष समूह गठन सुनिश्चित करने तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये। मनरेगा कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने ए.पी.ओ. को विकसित भारत ऽ रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी अधिनियमऽ2025 के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अधिशासी अधिकारी, भरवारी से दूरभाष पर वार्ता कर पक्का तालाब के सौन्दर्यीकरण हेतु प्रस्ताव तैयार कराने के भी निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाना प्राथमिकता है।

संकुल बैठक में बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति बनी आकर्षण का केंद्र, निपुण लक्ष्य पर हुई चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। बी. आर. सी. मूरतगंज के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय असवां में मंगलवार को आयोजित संकुल शिक्षक बैठक में बच्चों द्वारा प्रस्तुत शिक्षा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है और प्रत्येक व्यक्ति का शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम की शुरुआत उ. प्रा. विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पंचवटी पांडेय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इस दौरान बच्चों की प्रस्तुतियों ने न केवल शिक्षा का महत्व रेखांकित किया बल्कि उपस्थित शिक्षकों को भी अपने दायित्वों के प्रति और अधिक प्रेरित किया।

संकुल शिक्षक लवकुश गौड़ ने बैठक का एजेंडा प्रस्तुत करते हुए कहा कि कार्य के प्रति निष्ठा और

समर्पण की भावना से निपुण लक्ष्य को सहजता से प्राप्त किया जा सकता है। वहीं संकुल शिक्षिका ऋचा शर्मा ने टीएलएम व अन्य शिक्षण गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि टीएलएम के प्रयोग से जटिल विषयों को भी बच्चों तक सरल और प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकता है। बैठक में मनोज कुमारी, सुचित्रा विश्वकर्मा, इंदु, खुशबू, जयचंद्र, अभिलाष, राकेश कुमार, शालिनी सिंह, श्वेता चौधरी, रीना, महेंद्र तिवारी, गरिमा, नीलम, नीतू सक्सेना, प्रगति गुप्ता एवं सरिता चौधरी सहित संकुल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

जाति प्रमाण पत्र न बनने की सुनाई दास्तान, डीएम हुए द्रवित

- तत्काल कार्रवाई करने के दिये निर्देश
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े अधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की। एक शिकायत कर्ता ने रोकर बताया कि जाति प्रमाण पत्र नही बन रहा। यह सुनते ही डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई और तत्काल प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी को शिकायतकर्ता भोगनीपुर तहसील क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम माचा निवासी द्वारा जाति प्रमाण पत्र न बनाये जाने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम भोगनीपुर को शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण समय से कराने के निर्देश दिये। इसी प्रकार मैथा तहसील अन्तर्गत मातमऊ के शिकायतकर्ता द्वारा भूमि पर कब्जा दिलाये जाने की बात कही। वहीं रूरा क्षेत्र के ग्राम गदनपुर निवासी द्वारा बिद्युत की शिकायत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों के संबंध में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर संतोषजनक निस्तारण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही, शिकायतकर्ताओं को निस्तारण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। इस अवसर पर जनसुनवाई को प्रभावी बनाने हेतु समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। जिलाधिकारी द्वारा जनशिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। मौके पर एडीएम न्यायिक दिग्विजय सिंह सहित अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री ने समाप्त कराया व्यापारियों का अनशन

बबेरु/बांदा। व्यापार संघ चौराहा बचाओ संघर्ष समिति बबेरू द्वारा जारी क्रमिक अनशन को सांसद ने 6 वें दिन समाप्त कराया। बबेरू कस्बा का पांच प्रमुख मार्गों का चौराहा खिसकाए जाने को लेकर व्यापार संघ चौराहा बचाओ संघर्ष समिति बबेरू का 6 वे दिन जारी क्रमिक अनशन को बांदा चित्रकूट सांसद कृष्णा देवी शिवशंकर सिंह ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया। सांसद ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि यह लड़ाई खत्म नहीं होती है। योजना बनाकर लड़ाई लड़ी जाएगी। सपा नेता पूर्व मंत्री शिवशंकर सिंह ने कहा कि चौराहा खिसकाकर व्यापारियों को उजाड़ने की योजना है, व्यापारी सुंदरीकरण के विरोध में नहीं है, व्यापारी भी सुंदरीकरण चाहता है। बेघर हो रहे व्यापारियों को बसाया जाए, व्यापारी संगठित रहे, बुलडोजर बाबा का बुलडोजर नहीं घुसने दिया जाएगा। केके महंत ने निशाना साधते हुए कहा कि व्यापारी भाजपा को वोट सपोट करते है, वहीं भाजपाई व्यापारियों का दुकान मकान उजड़वा रहे है। उजड़वाने वाले को सबक सिखाया जाएगा।

एसपी ने ''ऑन द स्पॉट'' कई फरियादियों का किया समाधान

- जनसुनवाई में एसपी ने सुनी शिकायतें, त्वरित समाधान के दिये निर्देश
- चार माह के अल्प कार्यकाल में एसपी ने जनसुनवाई में गढ़ा कीर्तिमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर देहात। चार माह के अल्प कार्यकाल में पुलिस अधीक्षक ने जनसुनवाई में कीर्तिमान स्थापित किया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया।जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे दो दर्जन से ज्यादा आवेदकों ने अपने-अपने मामलों से संबंधित शिकायतें एसपी के सामने रखीं। एसपी ने सभी आवेदकों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित थाना प्रभारियों को त्वरित एवं पारदर्शी कार्रवाई के निर्देश दिये। कई आवेदकों की समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान किया। जबकि कुछ मामलों में विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। लोगों ने भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट, साइबर अपराध, लंबित कांडों में कार्रवाई नहीं होने,कोर्ट से वारंट निर्गत होने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं होने, धमकी व पुलिस से संबंधित अन्य शिकायतें रखीं। एसपी ने सभी मामलों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित थानों एवं शाखाओं को आवश्यक कार्रवाई को अग्रेषित किया। एसपी ने फरियादियों को भी आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों की नियमित समीक्षा की जाएगी।

एसपी ने कहा कि पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों का समय पर निष्पादन करना है। जनसुनवाई के माध्यम से पीड़ितों की बात सीधे सुनी गयी। उन्होंने कहा कि पुलिस से संबंधित मामलों का त्वरित समाधान तो कर लिया जाता है। लेकिन भूमि विवाद से जुड़े मामलों में पुलिस का अधिकार सीमित है।बावजूद थानेदारों को सीओ के साथ स्थल निरीक्षण कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। एसपी ने थानेदारों को जनशिकायत में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत देते हुए लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने को कहा। एसपी ने कहा कि जनता की सुरक्षा, सहायता और न्याय सुनिश्चित करना ही उनका सर्वोपरि दायित्व है। वही अपर पुलिस अधीक्षक व सीओ ने अपने अपने कार्यालयों में शिकायते सुनी।

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के चुनाव की प्रक्रिया शुरू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमरौधा। पुखरायां स्थित उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक भोगनीपुर शाखा प्रतिनिधि के चुनाव के अमरौधा विकासखंड कार्यालय पर आज नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई। जहा पर निर्वाचन अधिकारी अखिलेश कुमार अग्निहोत्री के समक्ष सुबह 10 बजे से नामांकन प्रक्रिया शुरू की गई। इस चुनाव में अमरौधा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत डिलौलिया बांगर का मजरा निवासी कमलेश कुमार पाल पुत्र कामता प्रसाद ने अपना नामांकन पत्र सैकड़ो भाजपाईयो के साथ दाखिल किया। इस दौरान भाजपा समर्थित प्रत्याशी कमलेश कुमार पाल के नामांकन जुलूस में पूर्व मंत्री सतीश पाल, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम सिंह सिसौदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष राहुल अग्निहोत्री, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश सचान, पुखरायां पालिका ध्यक्ष प्रतिनिधि करुणा शंकर दिवाकर,

भाजपा के जिला उपाध्यक्ष देवेश तिवारी,चुनाव संयोजक सौरभ मिश्रा, मलासा ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र कुमार पासवान, बील्हापुर के ग्राम प्रधान मुसर्रत खाँ, दौलतपुर के प्रधान गोपाल निषाद, राजेश कठेरिया,भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष ओम नारायण गुप्ता, शुभम टंडन सहित सैकड़ो की संख्या में भाजपाई नामांकन जुलूस में शामिल रहे, बताते चलें कि पुखरायां स्थित उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक भोगनीपुर के शाखा प्रतिनिधि के चुनाव में आज अमरौधा ब्लाक कार्यालय में नामांकन कार्यक्रम के दौरान केवल रसरापुर निवासी कमलेश कुमार पाल ने ही शाखा प्रतिनिधि के पद पर अपना नामांकन कराया।

हनुमान कथा के अंतिम दिन उमड़ा भक्तों का जनसैलाब

- लाखों श्रद्धालुओं ने किया दर्शन, संतों और नेताओं की रही भव्य उपस्थिति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मवई बाईपास चौराहा पर आयोजित पांचदिवसीय हनुमंत कथा आस्था के महाकुंभ के रूप में उभरकर सामने आई। आयोजन के दौरान करीब 20 से 30 लाख श्रद्धालुओं ने कथा स्थल पर पहुंचकर कथा श्रवण किया। अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा क्षेत्र भक्तिरस में डूबा नजर आया। भावविभोर श्रद्धालु जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष करते दिखाई दिए।

इस भव्य आयोजन में प्रदेश की राजनीति और संत समाज की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत कर कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। उनके नेतृत्व और कुशल व्यवस्थापन की सभी संतों, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने जमकर सराहना की।

बागेश्वर धाम सरकार ने भी मंच से आयोजन की भव्यता, अनुशासन और व्यवस्थाओं की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए आयोजक मंडल को आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजन की विशेष बात यह रही कि पांचों दिनों तक लगातार महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कथा के समापन पर वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया और क्षेत्र राममय एवं हनुमानमय हो उठा। आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया तथा सफल आयोजन के लिए क्षेत्रवासियों और सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।कार्यक्रम में पूर्व सांसद एवं कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, अयोध्या हनुमानगढ़ी के संत राजू दास महाराज, सखी के हनुमान के संत अर्पित दास महाराज, पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्रा, विधायक राकेश प्रताप सिंह, विधायक ओम मणि वर्मा, विधायक अभय प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक मुनीस, विभाग प्रचारक मनोज, जिला प्रचारक अनुराग, जिला अध्यक्ष मोहन लाल कुशवाहा, पूर्व चेयरमैन श्रीमती विनोद जैन एवं पूर्व चेयरमैन राजकुमार राज सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस पूरे धार्मिक आयोजन के मुख्य आयोजक भाजपा के कर्मठ नेता प्रवीण सिंह रहे।

संक्षिप्त समाचार

दनादन कल्पवृक्ष वाटिका में सफाई कराने की मांग

बांदा। कलेक्ट्रेट स्थित बामदेव सभागार में आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने को लेकर जिला अधिकारी जे. रीभा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता सेनानी संगठन, प्रबुद्ध जन, समाजसेवी, एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी महापरिषद मंडल अध्यक्ष सत्य प्रकाश द्विवेदी एडवोकेट द्वारा जिला अधिकारी को तीन सूत्री मांग पत्र सौपा गया।जिसमें मांग की गई की कलेक्ट्रेट परिसर स्थित क्रांतिकारी पंडित गोपीनाथ दनादन कल्पवृक्ष वाटिका में ध्वजारोहण के पश्चात पुष्पांजलि कार्यक्रम, वाटिका में प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ साफ सफाई एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लगाए जाए। साथ ही जिला अधिकारी का जनपद में 1 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण किए जाने पर महापरिषद की ओर से मंडल अध्यक्ष द्वारा बामदेव पर्वत पर स्थित श्री भगवान शंकर जी का चित्र भेंट कर बधाई दी गई। बैठक के दौरान अनेक प्रबुद्ध जनों, समाजसेवियों द्वारा गणतंत्र दिवस पर अपने-अपने सुझाव दिए गए।

युवक ने शराब के नशे में धुत होकर लगायी फांसी, मौत

कालिंजर/बांदा। कालिंजर कस्बे में 20 वर्षीय युवक ने शराब के नशे में धुत होकर साड़ी की रस्सी बनाकर फांसी के फंदे पर झूला जिस कारण से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कालिंजर कस्बा निवासी उमेश यादव उम्र 20 वर्ष पुत्र सरजू यादव शाम को शराब पीकर रात्रि को घर आया नशे की हालत में कच्चे मकान की पटिया में साड़ी की रस्सी बनाकर फांसी के फंदे पर लटक गया मां उसकी बाहर बैठी थी जब देखा तो कमरे का कुंडी बंद कर लिया था मां बतसिया ने आवाज लगाई जब दरवाजा नहीं खुला तो मोहल्ले वालों को बुलाया पुलिस को सूचना दी मौके पर पुलिस पहुंची दरवाजे खुलवाकर पटिया से लटकता हुआ मिला ।

हरकत में आया फायर विभाग, एसपी के निर्देश पर हुई कार्यशाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर देहात। 18 जनवरी को गौतमबुद्ध नगर में एक इंजीनियर की बेसमेन्ट में डूबने से हुई मृत्यु की घटना के बाद हरकत में आये प्रशासन ने असामयिक मृत्यु को रोकने के लिए एक पहल की। मंगलवार को एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के निर्देश पर फायर स्टेशन माती में विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य यू.पी. 112 में तैनात कर्मचारियों, अग्निशमन दल के सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों को डूबने की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी बचाव कार्य के लिए प्रशिक्षित करना था। कार्यशाला में मुख्य अग्निशमन अधिकारी व उप मुख्य चिकित्साधिकारी, सहित प्रभारी निरीक्षक डायल-112 द्वारा प्रतिभागियों

को विस्तृत प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया ।

प्रशिक्षण के दौरान डूबने के समय किए जाने वाले प्राथमिक उपचार, सुरक्षित बचाव तकनीकें, उपकरणों का उपयोग, जलाशय/बेसमेन्ट/टंकी आदि में डूबने की स्थिति में तत्काल कार्यवाही, एप्ट (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) की नवीनतम पद्धति एवं अन्य जीवन रक्षक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव ने कहा कि ''ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए हमारा प्रयास है कि जनपद में भविष्य में ऐसी किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए संबंधित विभागों के कर्मचारी पूरी तरह सक्षम एवं सतर्क रहें। समय पर सही हस्तक्षेप से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।'' यह कार्यशाला पुलिस, अग्निशमन एवं स्वास्थ्य विभाग के बीच बेहतर समन्वय एवं त्वरित प्रतिक्रिया की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जरैली कोठी दरगाह का एक दिवसीय उर्स सम्पन्न

बाँदा। ह़ज़रत सैय्यद जलाल शाह बाबा जरैली कोठी का सालाना एक दिवसीय उर्स सोमवार की रात कव्वालियों की महफ़िल के साथ सम्पन्न हो गया । दरगाह कमेटी के अध्यक्ष इकबाल अहमद रिटायर्ड एस आई ने बताया सोमवार की सुबह से देर रात तक चले इस उर्स में सुबह फजिर की नमाज़ के बाद दरगाह में ग़ुस्ल की रस्म अदायगी हुई इसके बाद फातेहा हुई फातेहा के बाद लंगर (भंडारा)शुरू हुआ भण्डारा अलग अलग दो स्थानों में कराया गया हिन्दू भाई बहनों के लिए शाकाहारी भंडारे की व्यवस्था की गई । सारा दिन दरगाह में फातेहा पढ़ने और चादर चढ़ाने वालों का तांता लगा रहा हिन्दू मुस्लिम दोनों समुदाय के अकीदतमंदों ने मज़ार में माथा टेक कर मन्नतें मांगी । रात में इशा की नमाज़ के बाद दरगाह कमेटी की तरफ से दरगाह परिसर में चादर जुलूस उठाया गया और दरगाह में चादर चढ़ाई गई ।

पुरानी रंजिश के चलते की गई थी युवक की हत्या

- हत्या में शामिल दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा विभिन्न अभियोगों में वांछित चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी नरैनी कृष्णकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में नरैनी पुलिस द्वारा नरैनी क्षेत्रानंतर्गत ग्राम जमवारा में बरामद व्यक्ति के शव की घटना का सफल अनावरण करते हुए घटना में शामिल 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया । गौरतलब हो कि 17 जनवरी 26 को थाना नरैनी पर ग्राम जमवारा में एक अज्ञात शव बरामद होने की सूचना प्राप्त हुई । सूचना पर पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त एवं पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया था । इसी क्रम में मृतक द्वारा पहने गये पैंट के लोगो के माध्यम से छानबीन करते हुए शव की पहचान तौहीद हसन पुत्र मकसूद हसन निवासी मोहल्ला कटरा जनपद पन्ना म0प्र0 के रुप में की गई । जिसके सम्बन्ध में मृतक के चाचा महमूद हसन की तहरीर पर थाना नरैनी में अभियोग पंजीकृत करते घटना के अनावरण हेतु टीमों का गठन किया गया था । जांच के क्रम में ज्ञात हुआ कि अभियुक्तों द्वारा पुरानी रंजिश के चलते चापड़ से युवक की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा नोटिस

निम्नलिखित कार्यों के लिए उप मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा संख्या 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 IREPS की वेबसाइट यानी https://www.ireps.gov.in पर समापन तिथि 12.02.2026 समय (11.30Hrs.) एक पैकेट प्रणाली के तहत ई-टेंडर आमंत्रित किया जाता है।

NIT संख्या: 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 19.01.2026

निविदा संख्या: 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26

कार्य का नाम : [illegible]

निविदा प्रपत्र लागत: कुछ नहीं।

अनुमानित निविदा मूल्य: रु.5,99,54,219.19 [illegible]

बोली सुरक्षा: रु.4,49,800/-

समापन की अवधि: 18 माह

ऑफर की वैधता: 60 दिन

IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांक: 19.01.2026

जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट/संशोधित तिथि नोट कर सकता है: 29.01.2026

निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समय: 12.02.2026 (11.30Hrs.)

पात्रता मानदंड: निविदा दस्तावेज के अनुसार।

ध्यान दें: [illegible] www.ireps.gov.in [illegible]

टेंडर नोटिस www.ireps.gov.in की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 19.01.2026 199/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नो मैंस लैंड, जीरो लाइन से 15 किमी भारत की तरफ अतिक्रमण हटाने पर चर्चा, बनी रणनीति

- एसएसबी व प्रशासन की संयुक्त टीमें निरीक्षण और सत्यापन कर हटवाएगी अतिक्रमण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नो मेन्स लैण्ड, जीरो लाइन से भारत की तरफ 05 किमी और जीरो लाइन से भारत की तरफ 15 किमी के अर्न्तगत सरकारी भूमि पर किये गये अतिक्रमण को हटाने को लेकर शुक्रवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ने अफसरों संग बैठक की। जिसमें एसएसबी, उप जिला अधिकारियों, वन विभाग, पुलिस विभाग के अधिकारियों से अनधिकृत कब्जे को लेकर विस्तृत चर्चा और मंथन हुआ। डीएम-एसपी ने अफसरों संग सशस्त्र सीमा बल 39वी बटालियन गदनिया पलिया, 49वी बटालियन एसएसबी जनपद पीलीभीत, 70वी बटालियन एसएसबी मझराफार्म के कार्यक्षेत्र में भारत-नेपाल अर्न्तराष्ट्रीय सीमा पर नो मेन्स लैण्ड तथा जीरो लाइन से भारत की तरफ 05 किमी एवं जीरो लाइन से भारत की तरफ 15 किमी के तहत सरकारी भूमि पर किये गये अतिक्रमण को सशस्त्र सीमा बल व राज्य सरकार की संयुक्त टीम बनाकर निरीक्षण, सत्यापन एवं अतिक्रमण को हटवाने पर रणनीति तय की। बैठक में तय हुआ कि नो मैंस लैंड पर अतिक्रमण के हटाने संबंध में दोनों देशों के संबंधित सीमावर्ती जिलों/अंचल के प्राधिकृत अधिकारियों के मध्य संवाद, समन्वय एवं संयुक्त सर्वेक्षण के उपरांत दोनों ओर के अतिक्रमण हटाने पर विचार विमर्श करते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंडो-नेपाल बार्डर के भारत की ओर पांच किलोमीटर के दायरे में जो खेती के लिए अतिक्रमित भूमि है उसे चिन्हित करें। राजस्व कागजात से मिलान कराये। गड़बड़ी पर लोगों पर कार्रवाई करें। अधिकारियों को नो मैन्स लैंड पर अनाधिकृत खेती योग्य भूमि और झोपड़ी या फिर मकान हो उसकी सूची तैयार कर सक्षम स्तर को प्रेषित करते हुए नियमानुसार जरूरी कार्यवाही करें। डीएम ने एसएसबी अधिकारियों की उपस्थिति में संबंधित अधिकारियों को इसके लिए एसएसबी के साथ समन्वय बनाते हुए एक माह के भीतर अग्रेतर कार्रवाई करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को अतिरिक्त अतिक्रमण न हो इसका भी ख्याल रखने का निर्देश दिया। बैठक में डीडी दुधवा टाईगर रिजर्व जगदीश आर, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, कमाण्डेन्ट/डिप्टी कमांडेंट (एसएसबी 39वीं बटालिन, गदनिया/एसएसबी तृतीय वाहिनी, 49वी बटालियन एसएसबी जनपद पीलीभीत/ 70वी बटालियन एसएसबी मझराफार्म) एसडीएम निघासन, सीओ पलिया/निघासन, तहसीलदार पलिया/निघासन मौजूद रहे।

आशा बहनों के आंदोलन को राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का समर्थन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्वास्थ्य विभाग की सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत कड़ी मानी जाने वाली आशा बहनों के प्रति सरकार की उपेक्षा के विरोध में राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी दीक्षित ने समर्थन पत्र जारी किया है। अंजनी दीक्षित ने कहा कि आशा बहनें अपने कार्यक्षेत्र को परिवार मानकर 24 घंटे सेवाभाव से कार्य करती हैं। ठंड, बारिश या किसी भी आपात सूचना पर वे घर के आवश्यक कार्य छोड़कर मरीजों की सेवा में तत्पर रहती हैं। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में आशा बहनों की भूमिका ऐतिहासिक रही है, बावजूद इसके वे सरकारी उपेक्षा का शिकार हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा भी आशा बहनों को स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी माना गया है, फिर भी आज वे अपनी जायज़ मांगों को लेकर आंदोलन करने को मजबूर हैं। सभी आशा बहनों की मांगें पूरी तरह उचित हैं। जिला अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन आशा बहनों के आंदोलन को निस्वार्थ समर्थन देता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि आशा बहनों को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए तथा उन्हें इतना न्यूनतम वेतन प्रदान किया जाए जिससे वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आंदोलन के दौरान जनसमर्थन की आवश्यकता पड़ी तो संगठन के कार्यकर्ता पूर्ण सहयोग देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। सरकार को शीघ्र ही आशा बहनों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

गंगासागर यात्रा के दौरान लापता हुई 18 वर्षीय नैन्सी, पिता ने पीएम और सीएम से लगाई गुहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ के अलीगंज चौकी क्षेत्र अंतर्गत सरांय रमुवापुर गांव निवासी ऊभन की 18 वर्षीय पुत्री नैन्सी गंगासागर यात्रा के दौरान लापता हो गई। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। पीड़ित पिता ऊभन ने बताया कि वह अपनी पत्नी गीता देवी, पुत्री नैन्सी तथा बहन रामबेटी के साथ गंगासागर यात्रा पर गए थे। कोलकाता के बाबू घाट स्थित बस पार्किंग क्षेत्र में कपड़े की खरीदारी के दौरान नैन्सी अचानक लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो उन्होंने थाना मैदान पुलिस को सूचना दी, लेकिन परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। निराश पिता ने अपनी पुत्री की सुरक्षित बरामदगी के लिए नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती, तो उनकी बेटी अब तक मिल सकती थी। परिजन बेटी की सकुशल वापसी की आस लगाए प्रशासन से मदद की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा रोशन नगर में निकाली गई धर्म ध्वज पद यात्रा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल द्वारा अयोध्या में बने राम मंदिर के दो वर्ष पूरे होने पर तहसील कार्यवाहक अध्यक्ष विपिन कुमार भास्कर के नेतृत्व में धर्म ध्वज पद यात्रा निकाली गई। धर्म ध्वज यात्रा में कार्यकर्ताओं के अलावा भारी मात्रा में श्री राम भक्तों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया पद यात्रा पूरे कस्बा में रामध्वज के साथ निकली गई। जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया ने बताया कि हमारे कार्यकर्ता लगातार धार्मिक प्रचार कर रहे हैं, लगातार शोभा यात्रा बाइक रैलिया निकाली जा रही है। गांवउगांव बैठक कर हिंदुओं को जागरूक कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में कार्यकर्ता व राम भक्त मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी स्थित सिद्धिविनायक पब्लिक स्कूल में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस पर कृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। वृंदावन धाम से पधारे आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी ने कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के अवतार की दिव्य लीला का भावपूर्ण वर्णन किया।

आचार्य ने बताया कि जब पृथ्वी पर अधर्म, आतंक और अत्याचार बढ़ जाता है, तब पृथ्वी गाय का रूप धारण कर ब्रह्मा जी के पास जाती है। ब्रह्मा जी भगवान नारायण से प्रार्थना करते हैं, जिस पर भगवान मथुरा में अवतार लेने का संकल्प करते हैं और सभी देवताओं को पृथ्वी पर जन्म लेकर उनकी लीला में सहयोग करने का आदेश देते हैं। भगवान श्रीहरि का जन्म वासुदेव और देवकी की अष्टम संतान के रूप में मथुरा कारागार में हुआ। जन्म के समय भगवान ने वासुदेव-देवकी को चतुर्भुज रूप में दर्शन देकर अपने वचन की स्मृति कराई। तत्पश्चात वासुदेव जी शिशु कृष्ण को टोकरी में रखकर गोकुल ले गए। मार्ग में पहरेदारों की बेड़ियाँ खुल गईं और कारागार के द्वार स्वतः खुलते चले गए।

उधर, कंस के हाथ से कन्या छूटकर अष्टभुजी देवी के रूप में आकाश मार्ग से अंतर्धान हो गईं और कंस को उसके अंत का संकेत दिया। भयभीत कंस ने अपने शत्रु की खोज के लिए योजना बनाई। वहीं गोकुल में नंद महाराज के यहाँ बालक के जन्म पर भव्य नंदोत्सव मनाया गया। ब्रजवासी, वृद्धजन और गोपियाँ आनंद में डूब गईं–हल्दी, दही और दूध की छींटों के साथ उत्सव का उल्लास चरम पर रहा। कार्यक्रम में अंकित गोयल ने वासुदेव, काजल गोयल ने यशोदा तथा संतोष भारद्वाज के भांजे ने भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप धारण किया। बाहर से आए श्रद्धालुओं सहित नगरवासियों ने कथा का रसपान किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष कीर्ति माहेश्वरी, समाजसेवी भवानी शंकर माहेश्वरी, गुरमीत कौर सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

अज़ान खीरी। थाना हैदराबाद पुलिस ने जडौरा गांव में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार देवेश कुमार की तहरीर पर थाना हैदराबाद में मामला पंजीकृत किया गया था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कृष्ण मोहन उर्फ छुट्टन, विवेक मिश्रा और उत्कर्ष को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया जाएगा। इस कार्रवाई को थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

विश्व मानवाधिकार परिषद के जिला अध्यक्ष सुल्तान गाजी को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया सम्मानित

लखीमपुर खीरी। जनपद लखीमपुर खीरी के सामाजिक कार्यकर्ता एवं विश्व मानवाधिकार परिषद के जिला अध्यक्ष सुल्तान गाजी को उनके उल्लेखनीय सामाजिक कार्यों के लिए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एम. आर. अंसारी द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सुल्तान गाजी के जिला अध्यक्ष बनने के बाद से संगठन की गतिविधियों में निरंतर सक्रियता आई है। वे लगातार सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता कर संगठन को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। सम्मान समारोह में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सईद बेग, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता साजिद मंसूरी, जिला उपाध्यक्ष अब्दुल्लाह खान, ब्लॉक अध्यक्ष पलिया प्रदीप राय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने सुल्तान गाजी को सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अवैध खनन व परिवहन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, टास्क फोर्स को किया सक्रिय

उन्नाव। जनपद में अवैध खनन एवं उपखनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से गठित टास्क फोर्स कमेटी की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी गौरांग राठी ने की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति या वाहन को किसी भी स्थिति में बख्शा न जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला खनन अधिकारी से अब तक की गई कार्रवाई, अवैध खनन पर रोक के लिए तैयार की गई कार्ययोजना, वाहनों की जांच व्यवस्था तथा जारी की गई खनन अनुमतियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन वाहन चालकों के वाहन दो या उससे अधिक बार अवैध खनन या परिवहन में पकड़े गए हैं, उनके वाहन स्वामियों की सूची तैयार कर लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जो व्यक्ति बार-बार अवैध खनन में संलिप्त पाए जा रहे हैं, उनके विरुद्ध कठोरतम धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया जाए। साथ ही टास्क फोर्स से संबंधित तहसील स्तर पर ग्रुप गठित कर कार्रवाई की नियमित रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए एक निर्धारित प्रारूप तैयार किया जाए। खनन अनुमति को लेकर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। सभी आवश्यक दस्तावेजों का विधिवत सत्यापन करने के बाद ही खनन की परमिशन दी जाए। उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी से ओवरलोड वाहनों, अवैध खनन में संलिप्त डंपरों की आवाजाही तथा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली। साथ ही ब्लैकलिस्टेड वाहनों एवं चालान न भरने वाले पंजीकृत वाहन स्वामियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

हनुमान मंदिर कंजा में आयोजित हिंदू सम्मेलन में समाज को संगठित रहने का आह्वान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। मोहम्मदी रोड स्थित हनुमान मंदिर, कंजा में आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता राजकुमार (विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, सीतापुर विभाग) ने समाज से एकजुट, जागरूक और संगठित होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करना है। बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही एक जीवंत सांस्कृतिक परंपरा है। उन्होंने कहा कि विश्व ने बीते दो हजार वर्षों में अनेक सामाजिक और वैचारिक प्रयोग देखे हैं, किंतु आज मानवता स्थायी शांति और समाधान के लिए भारत की सनातन संस्कृति की ओर आशा से देख रही है।

संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तब तक सशक्त नहीं बन सकता, जब तक वह संगठित न हो। इतिहास और धर्मग्रंथों के उदाहरण देते हुए बताया कि संगठित समाज ही अपने मूल्यों की रक्षा करते हुए परिवर्तन लाने में सक्षम होता है।

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए वक्ताओं ने कहा कि ऋषि-मुनि अपने समय के महान वैज्ञानिक और विचारक थे। खगोल विज्ञान, आयुर्वेद, गणित और भाषा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में भारत का योगदान उल्लेखनीय रहा है। नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन विश्वविद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि भारत सदियों तक वैश्विक ज्ञान का केंद्र रहा। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता को समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए पाँच प्रमुख संकल्पों का आह्वान किया गया, एक मंदिर, एक श्मशान, एक जलाशय और एक पंगत भाषा, भूषा, भोजन, भ्रमण और भवन में सांस्कृतिक चेतना का वास; परिवार के साथ रात्रि भोजन सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण, तथा प्रत्येक नागरिक द्वारा अपने कर्तव्यों का पालन,युवाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा गया कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। उन्हें केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित न रहकर सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों के प्रति भी सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में भगवद्गीता के संदेशों का उल्लेख करते हुए भय, आलस्य और आपसी विभाजन को त्यागकर एकजुट होने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत भविष्य में विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और नैतिकता का मार्ग दिखाएगा। कार्यक्रम का समापन ल्लभारत माता की आरतीङ्क एवं समरसता भोज के साथ हुआ।

विद्यार्थी पुस्तकालय के पाँच छात्रों का एसएससी जीडी में चयन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर में संचालित विद्यार्थी पुस्तकालय के पाँच छात्रों का कर्मचारी चयन आयोग की जीडी (जनरल ड्यूटी) परीक्षा में चयन होने पर पुस्तकालय परिवार में हर्ष का माहौल है। खुटार रोड स्थित विद्यार्थी पुस्तकालय के संचालक अजीत जैन टीटू ने बताया कि छात्रों की कड़ी मेहनत, लगन और पुस्तकालय द्वारा दिए गए उचित मार्गदर्शन के कारण यह सफलता संभव हुई। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन और सही दिशा में तैयारी से विद्यार्थियों को लक्ष्य प्राप्त करने में मदद मिली।

एसएससी जीडी में चयनित छात्रों में मैलानी निवासी भगीरथ वर्मा पुत्र ओंकार वर्मा, जलालपुर गांव निवासी अतुल कुमार, शरद कुमार पुत्र श्याम किशोर, टिहुलिया निवासी अमूल्य कुमार वर्मा पुत्र राधेश्याम वर्मा, तथा बीरमपुर निवासी तौसीफ गाजी पुत्र सज्जाद शामिल हैं।

छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय पुस्तकालय के संचालक एवं मार्गदर्शन को दिया। पुस्तकालय संचालक ने बताया कि होली पर्व के अवसर पर चयनित छात्रों को समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाएगा।

मध्यस्थता अभियान 2.0 को सफल बनाने के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। आज दिनांक 20 जनवरी 2026 को जनपद न्यायाधीश , अध्यक्ष शिवकुमार सिंह की अध्यक्षता में मध्यस्थता अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 1 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक मध्यस्थता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ऐसे सभी वादों का चयन किया जाएगा, जिनका निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से संभव है।

उन्होंने निर्देश दिए कि इस अवधि में न्यायालय द्वारा चिन्हित मामलों को अनिवार्य रूप से मध्यस्थता केंद्र को प्रेषित किया जाए।

जनपद न्यायाधीश ने बताया कि अभियान के तहत वैवाहिक वाद, मोटर दुर्घटना दावा, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक सेवा विवाद, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, संपत्ति बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण सहित अन्य उपयुक्त दीवानी मामलों का निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जाएगा। बैठक में उपस्थित समस्त न्यायिक अधिकारियों को मध्यस्थता अभियान 2.0 के लिए चिन्हित एवं रेफरल वादों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा गया कि अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर मध्यस्थता केंद्र भेजना सुनिश्चित करें, जिससे अभियान को सफल बनाया जा सके।

धौरहरा बाजार की रौनक हो रही गायब: अतिक्रमण का मकड़जाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। कस्बे के हृदयस्थल मुख्य बाजार की चमक धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है। मकड़जाल की तरह सड़कों पर फैले अतिक्रमण, कूड़े का अंबार, सांडों का आतंक और बुनियादी सुविधाओं की कमी ने बाजार की रौनक पर साया टिका दिया है। नगर पंचायत धौरहरा की सुस्ती और दो व्यापार मंडल कमेटियों की चुप्पी के कारण आसपास के गांवों से रोजाना आने वाले हजारों खरीदारों को घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है।बाजार की मुख्य सड़कों पर बड़े दुकानदारों द्वारा अवैध अतिक्रमण को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये दुकानदार छोटे व्यापारियों से वसूली कर अपनी दुकानों के आगे सड़कें कब्जा लेते हैं, जिससे वाहनों और पैदल यात्री फंस जाते हैं। आसपास के गांवों से रोजाना हजारों लोग बाजार में उमड़ते हैं, लेकिन लगातार बढ़ते अतिक्रमण से ट्रैफिक जाम लगता रहता है। कई बार वाहन घंटों फंस जाते हैं, जबकि लोग, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, दुर्घटनाओं

- नगर पंचायत और व्यापार मंडल की लापरवाही से व्यापारी-खरीदार परेशान

का शिकार हो जाते हैं। सड़कों पर वाहनों या आवारा पशुओं से बचने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ती है।कूड़े-कचरे से सांडों का राज, कोई सफाई व्यवस्था नहींदुकानों पर कूड़ेदान का अभाव है, जिससे खाने-पीने की बेकार चीजें सड़कों पर फेंक दी जाती हैं। इससे सांडों का आतंक मच गया है। ये सांड सड़कों पर घूमते रहते हैं और आपस में लड़ाई करने पर दुकानों सहित खरीदारों को खतरा हो जाता है। स्थानीय व्यापारी बताते हैं कि नगर पंचायत की ओर से कोई सफाई अभियान नहीं चलाया जा रहा, जिससे बाजार की दुर्दशा बढ़ती जा रही है।दो व्यापार मंडल, फिर भी कोई कार्रवाई नहींधौरहरा में दो व्यापार मंडल कमेटियां सक्रिय हैं, लेकिन बाजार की बदहाली पर दोनों ही मूक दर्शक बनी हुई हैं।

700 से अधिक दुकानों वाले इस बाजार में सुधार के लिए कोई प्रयास नहीं हो रहा। व्यापारियों का कहना है कि कमेटियां नाममात्र की हैं और कोई ठोस कदम नहीं उठा रही।बुनियादी सुविधाओं का टोटा, अलाव तक नहींबाजार में सिर्फ एक छोटा शौचालय और एक ही पेयजल की व्यवस्था है, जिससे दूर-दराज के ग्राहक परेशान हैं। कड़ाके की ठंड में हफ्तों तक अलाव की व्यवस्था नहीं हो पाती। इसके अलावा, मुख्य चौराहे पर बीते कई वर्षों से टूटा सायफन था। नगर पंचायत को सूचना देने पर सायफन तो बन गया, लेकिन पुराने मलबे को पखवाड़ा बीतने के बावजूद नहीं हटाया गया।

वनडे का हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी नजर

एजेंसी

नागपुर। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से फॉर्म में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जिसमें भारत की नजर वनडे श्रृंखला में मिली हार का बदला चुकता करके अगले महीने घरेलू धरती पर होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता अंजाम देने पर होगी। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 टीम की कप्तानी संभाली थी जिसके बाद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसकी जीत का प्रतिशत 72 प्रतिशत से अधिक रहा है। इससे कप्तान के बल्लेबाजी में निराशाजनक प्रदर्शन पर ज्यादा गौर नहीं किया गया लेकिन अब ऐसा नहीं है। पिछले दो वर्षों में भारतीय टी20 टीम स्वचालित मोड पर रही है, जिसमें उसे इक्का-दुक्का हार का ही सामना करना पड़ा। आईपीएल के कारण उसके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से जानते हैं। भारतीय टीम पर हालांकि विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और घरेलू धरती पर खेलने का दबाव होगा और सूर्यकुमार न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से पहले इन बातों पर जरूर गौर कर रहे होंगे। न्यूजीलैंड की टीम काफी मजबूत है और उसने

पिछले एक साल में कई उपलब्धियां हासिल की है जिसमें भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप करना और वनडे श्रृंखला जीतना भी शामिल है। भारतीय धरती पर पहली बार द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला जीतने से निश्चित तौर पर उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा होगा। लेकिन जब टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की बात आती है तो सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत एक अलग ही टीम साबित हुई है, जिसने पिछले 25 में से 18 मैच जीते हैं। इसका श्रेय काफी हद तक अभिषेक शर्मा की तूफानी शुरुआत और वरुण चक्रवर्ती की बीच के ओवरों में शानदार गेंदबाजी को जाता है। न्यूजीलैंड ने 2024 टी20 विश्व कप के बाद खेले गए 21 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 13 में जीत हासिल की है। आक्रामक सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे, कप्तान मिचेल सैंटनर, तेज गेंदबाज जैकब डफी, बेहतरीन फॉर्म में चल रहे डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की मौजूदगी में न्यूजीलैंड मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीम साबित हो सकती है। इसका यह भी मतलब है कि मौजूदा चैंपियन भारत को विश्व कप की तैयारी के लिए बेहतरीन समय मिलेगा।

मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज की संघर्षपूर्ण जीत, शेल्टन भी आगे बढ़े

एजेंसी

मेलबर्न। मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज ने शुरुआत में संघर्ष करने के बाद शानदार वापसी करके मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई जबकि पुरुष वर्ग में बेन शेल्टन भी आगे बढ़ने में सफल रहे। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने पहले दौर में ओलेक्सांद्रा ओलिन्यकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराया। अपने 50वें ग्रैंड स्लैम मैच में खेल रही कीज ने पहले सेट में 4-0 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करके यूक्रेन की खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला टाईब्रेकर तक पहुंचाया। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही ओलिन्यकोवा ने टाईब्रेकर में भी 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन वह दो सेट प्वाइंट के मौकों को भुनाने में असफल रही। कीज ने कहा, ''मैच की शुरुआत में थोड़ी नर्वस हो गई थी। मैं जितनी नर्वस थी उसे देखते हुए वापसी करना और जीत हासिल करना शानदार रहा। कीज़ ने ओलिन्यकोवा की प्रशंसा की जिन्होंने मैच के बाद ऑटोग्राफ दिए और कोर्ट पर यूक्रेन का ध्वज लहराया। इस बीच महिला वर्ग में सुबह के सत्र में दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। इंडोनेशिया की जेनिस टजेन ने कनाडा की 22वीं वरीयता प्राप्त लेयला फर्नांडीज को 6-2, 7-6 (1) से और चेक गणराज्य की टेरेजा वैलेंटोवा ने ऑस्ट्रेलिया की 30वीं वरीयता प्राप्त माया जॉइंट को 6-4, 6-4 से हराया। पूर्व अमेरकी ओपन चैंपियन स्लोएन स्टीफंस भी पहले दौर में कैरोलिना प्लिस्कोवा से 7-6 (7), 6-2 से हार गई। वर्ष 2017 में अमेरिकी ओपन जीतने वाली स्टीफंस ने इस साल क्वालीफायर के जरिए मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। बाएं हाथ से खेलने वाले खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने फ्रांस के यूगो हंबर्ट को 6-3, 7-6 (2), 7-6 (5) से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। पुरुष वर्ग में आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन पिछले साल में टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी बेल्जियम के राफ़ेल कोलिग्नन के चौथे सेट में रिटायर होने के बाद दूसरे दौर में पहुंच गए। बेल्जियम के खिलाड़ी ने कथित तौर पर ऐंठन और चक्कर आने के कारण मैच बीच में ही छोड़ दिया। उस समय मुसेट्टी 4-6, 7-6 (3), 7-5, 3-2 से आगे चल रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

सैंटनर चाहते हैं टी20 में भी वनडे जैसा प्रदर्शन करें मिचेल

नागपुर। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने मंगलवार को यहां कहा कि उन्हें उम्मीद है कि डैरिल मिचेल वनडे की अपनी शानदार फार्म को भारत के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाली पांच मैच की टी20 श्रृंखला में भी बरकरार रखेंगे। मिचेल ने भारत के खिलाफ खेले गए तीन वनडे मैचों में 84, नाबाद 131 और 137 रन बनाकर न्यूजीलैंड की श्रृंखला में 2-1 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सैंटनर ने पहले टी20 मैच की पूर्व संध्या पर अपने सीनियर बल्लेबाज के बारे में कहा, ''डैरिल को शुरू में स्पिन के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा। लेकिन उसने अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की और अब आप उसकी मेहनत का परिणाम देख सकते हैं। बाएं हाथ के स्पिनर सैंटनर ने कहा, ''वह स्पिन अच्छी तरह खेल रहा है। वनडे में वह बीच के ओवरों में खेल को नियंत्रित कर सकता है। उम्मीद है कि वह टी20 मैचों में भी कुछ ऐसा ही प्रदर्शन करेगा। सैंटनर ने टी20 विश्व कप से पहले भारत में खेलने के महत्व पर भी जोर दिया और इस दौरे को अपनी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण करार दिया। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाला विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा। उन्होंने कहा, ''हमें यहां खेलना बहुत पसंद है। हमारे लिए यह बेहद मायने रखता है कि हमें टी20 विश्व कप से पहले भारतीय परिस्थितियों में एक मजबूत टीम का सामना करने का मौका मिल रहा है। भारत के खिलाफ मिचेल का हालिया वनडे रिकॉर्ड सैंटनर की उम्मीदों को स्पष्ट करता है। मिचेल ने पिछले कुछ वर्षों में भारत के खिलाफ लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और विभिन्न परिस्थितियों में बड़ी पारियां खेली हैं। स्पिन को अच्छी तरह से खेलने और बीच के ओवरों में खेल पर नियंत्रण बनाए रखने के कारण वह न्यूजीलैंड के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाज बन गए हैं। टी20 विश्व कप के करीब होने के कारण सैंटनर को उम्मीद है कि मिचेल टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में भी उसी स्पष्टता और संयम को बनाए रखेंगे, जिसमें भारत का स्पिन-प्रधान आक्रमण कीवी बल्लेबाजों के लिए कड़ी चुनौती पेश कर सकता है।

भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला विश्व कप की तैयारी के लिए शानदार मौकाः फर्ग्यूसन

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने कहा कि भारत के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उनकी टीम को तैयारी के लिए उचित मंच प्रदान करेगी। भारत के खिलाफ हाल ही में 2-1 से वनडे श्रृंखला जीतने से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम नागपुर में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में विश्व कप के सह-मेजबान भारत से भिड़ेगी। भारत में कीवी टीम के साथ जुड़ने वाले फर्ग्यूसन ने रवाना होने से पहले पत्रकारों से कहा, ''यह सचमुच बहुत अच्छी तैयारी होगी। मैं जानता हूं कि यह वह मैदान नहीं होंगे जहां हम विश्व कप में खेलेंगे लेकिन वहां खेलने का अनुभव, उसका प्रभाव और मैदानों की स्थिति का आकलन विश्व कप से पहले शानदार तैयारी होगी। उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक है और घरेलू परिस्थितियों में उसका कोई सानी नहीं है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी वनडे श्रृंखला की तरह ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आईपीएल 2026 के लिए पंजाब किंग्स की टीम में शामिल फर्ग्यूसन ने कहा कि वह यूएई में इस महीने की शुरुआत में आईएलटी20 मैच के दौरान पिंडली में चोट से उबर गए हैं और पिछले एक सप्ताह से पूरी ताकत से गेंदबाजी कर रहे हैं। न्यूजीलैंड ने हालांकि पहले मैच के लिए जो टीम घोषित की है उसमें फर्ग्यूसन का नाम नहीं है। वह टी20 विश्व कप के दौरान कुछ दिनों के लिए पितृत्व अवकाश भी ले सकते हैं क्योंकि उनके बच्चे का जन्म 20 फरवरी को होने की उम्मीद है। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उनका फिलहाल संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं अब भी फिट महसूस करता हूं। मुझे अब भी लगता है कि मैं टीम में योगदान दे सकता हूं। अगर कभी ऐसा दिन आए जब मैं सुबह उठूं और देखूं कि मैं जीत में योगदान नहीं दे रहा हूं या मुझे लगे कि मैं टीम के लिए खेलने के लायक नहीं हूं तो मैं संन्यास ले लूंगा। भारत के खिलाफ 2023 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपना आखिरी वनडे मैच खेलने वाले इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह अब भी 50 ओवर का क्रिकेट खेलने के लिए प्रयासरत हैं। फर्ग्यूसन ने कहा, ''मुझे 50 ओवर का क्रिकेट बहुत पसंद है। टी20 की तुलना में इसी से मुझे थोड़ी ज़्यादा पहचान मिली।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : वीनस विलियम्स और एकटेरिना अलेक्जेंड्रोवा महिला डबल्स के पहले राउंड में बाहर

मेलबर्न। अमेरिकी लेजेंड वीनस विलियम्स और रूस की एकटेरिना अलेक्जेंड्रोवा ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला डबल्स के पहले राउंड में बाहर हो गईं हैं। अमेरिकी-रूसी जोड़ी को फ्रांस की एल्सा जैक्वेमॉट और कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो ने 6-3 (3), 6-4 से हराया। इस हार के साथ वीनस का मेलबर्न पार्क में अभियान समाप्त हो गया। इससे पहले, दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट वीनस महिला सिंगल्स में पहले राउंड में ओल्गा डानिलोविक के खिलाफ हारकर बाहर हो गई थीं। यह वीनस का 2021 के बाद पहला मेलबर्न पार्क में प्रदर्शन और 2023 के बाद अमेरिका के बाहर पहला टूर्नामेंट था। सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस, जिन्हें टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड दिया गया था, ऑस्ट्रेलियन ओपन में मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बन गईं। इससे पहले यह रिकॉर्ड जापान की किमिको डेट के नाम था, जो 2015 में 44 वर्ष की उम्र में पहले राउंड में हार गई थीं। वीनस ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में दो बार फाइनल खेला और 2001 में सेमीफाइनल तथा छह बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं। उनका टूर्नामेंट रिकॉर्ड 54-21 का रहा है। इसके अलावा, उन्होंने मेलबर्न में महिला डबल्स में चार बार खिताब जीता—2001, 2003, 2009 और 2010 में अपनी बहन सेरेना विलियम्स के साथ और 1998 में जस्टिन गिमेलस्टॉब के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब भी अपने नाम किया। 16 महीने के ब्रेक के बाद वीनस ने जुलाई 2025 में टेनिस में वापसी की और तीन टूर्नामेंट खेले।

पूनाचा-इसारो की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में बाहर

मेलबर्न। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के पहले दौर में बाहर हो गए। पूनाचा और इसारो की वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाली जोड़ी ने पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी के सामने अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में उन्हें एक घंटे और 51 मिनट में 6-7(3) 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों जोड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था, लेकिन पूनाचा और इसारो तीन में से केवल एक ब्रेक प्वाइंट के मौके को ही भुना पाए और मैच में दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे। युगल स्पर्धा में भारत की उम्मीदें अभी भी बरकरार हैं। युकी भांबरी स्वीडन के अपने साथी आंद्रे गोरान्सन के साथ चुनौती पेश करेंगे। उन्हें 10वीं वरीयता दी गई है और उनका पहला मुकाबला वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ियों जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट (पूर्व विश्व नंबर एक लेटन हेविट के बेटे) से होगा।

टी20 विश्व कप में भारत में न खेलने के अपने रूख पर बांग्लादेश बरकरार

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने मंगलवार को साफ किया कि आईसीसी टी20 विश्व कप भारत में खेलने को लेकर बांग्लादेश अपने रुख में कोई बदलाव नहीं करेगा। उन्होंने यह भी खारिज किया कि अगर बांग्लादेश टूर्नामेंट से हटता है तो उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। आसिफ नज़रुल ने कहा कि बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत में खेलने से इनकार किया है और आईसीसी से अनुरोध किया है कि उसके मैच सह-मेज़बान श्रीलंका में कराए जाएं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सरकार का रुख स्पष्ट और अडिग है। पिछले सप्ताहांत बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और आईसीसी अधिकारियों के बीच

ढाका में बातचीत हुई थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। यह गतिरोध उस समय और गहरा गया जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइज़ी कोलकाता नाइट राइडर्स को मौजूदा राजनीतिक तनाव के बीच मुस्तफिजुर रहमान को अपनी टीम से रिलीज़ करने का निर्देश दिया। सूत्रों के अनुसार, आईसीसी ने इस मामले के समाधान के लिए 21 जनवरी की समयसीमा तय की है। यदि बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल करना पड़ा, तो उन्हें तैयारी के लिए कम से कम 15 दिन का समय देना होगा, क्योंकि स्कॉटलैंड विश्व कप के लिए क्वालिफाई न कर पाने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम है। बांग्लादेश ने अपने ग्रुप को बदलने का भी प्रस्ताव रखा था, लेकिन आयरलैंड ने इस पर सहमति देने से इनकार कर दिया। आसिफ नज़रुल ने पत्रकारों से कहा, मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि आईसीसी टी20 विश्व कप में हमारी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर हम पर अनुचित शर्तें थोपने की कोशिश करता है, तो हम उन्हें स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा, अतीत में ऐसे उदाहरण हैं जब पाकिस्तान ने भारत की यात्रा से इनकार किया और आईसीसी ने टूर्नामेंट का वेन्यू बदला। हमने भी तार्किक आधार पर वेन्यू बदलने की मांग की है और किसी भी तरह के अव्यावहारिक दबाव में आकर भारत में खेलने को मजबूर नहीं किया जा सकता।

यूपी डोमिनेटर्स ने नाटकीय वापसी करते हुए दिल्ली दंगल वॉरियर्स को हराया

नोएडा। यूपी डोमिनेटर्स ने मंगलवार को यहां प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) के एक मुकाबले में शानदार वापसी का बेहतरीन नजारा पेश करते हुए दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 5-4 से हरा दिया। पुरुषों के 86 किलोग्राम वर्ग में दिल्ली दंगल वॉरियर्स के वफाइपुर हादी बख्तियार ने मिखाइलोव वासिल को 7-4 से हराया। इसके बाद महिलाओं के 76 किलोग्राम वर्ग में दिल्ली की अनास्तासिया अल्पीवा ने ओजो डामोला हन्ना पर 11-2 से जीत हासिल की। पुरुष वर्ग के 74 किलोग्राम वर्ग के मुकाबले में भी दिल्ली का पलड़ा भारी रहा। अजरबैजान के तुरान बायरामोव ने अभिमन्यु मांडवाल को 3-0 से हराकर दिल्ली को 3-0 की बढ़त दिला दी। यूपी को आखिरकार तपस्या गहलावत ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में कार्ला गोंजालेज पर 8-2 से हराकर वापसी दिलाई। दिल्ली के कप्तान और अंडर-23 विश्व चैंपियन सुजीत कलकल ने हालांकि 65 किलोग्राम पुरुष वर्ग में विशाल कालीरमन को हराकर अपनी टीम की बढ़त को 4-1 तक पहुंचा दिया।

सर्राफा बाजार जबरदस्त तेजी नए शिखर पर सोना और चांदी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 2,270 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी ने भी आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम की बड़ी छलांग है। कीमत में आई तेजी के कारण सोना और चांदी ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड कायम कर लिया है। सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,250 रुपये से लेकर 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,34,060 रुपये से लेकर 1,34,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में आज ये चमकीली धातु तीन लाख रुपये का स्तर पार कर 3,05,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,46,400 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,210 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,46,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,46,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एडवांटा इंटरप्राइजेज पब्लिक इश्यू लाएगा सेबी के पास डीआरएचपी जमा कराया

नई दिल्ली। केमिकल कंपनी यूपीएल की हाइब्रिड सीड्स सब्सिडियरी कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज ने भी आईपीओ लॉन्च करने की दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए हैं। एडवांटा एंटरप्राइजेज ने मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास अपने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा करा दिया है।

आईपीओ के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार ये इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का होगा। यूपीएल की सब्सिडियरी कंपनी एडवांटा एंटरप्राइजेज के आईपीओ के जरिये मौजूदा शेयरहोल्डर्स 3.61 करोड़ शेयरों की बिक्री करेंगे। इनमें यूपीएल अपने हिस्से के 2,81,07,578 शेयर ओएफएस के जरिये बेचेगी, जबकि बाकी शेयर कंपनी के दूसरे प्रोमोटर्स द्वारा ओएफएस के जरिये बेचे जाएंगे।

खान मंत्रालय के सचिव बुधवार को केंद्रीय भूवैज्ञानिक प्रोग्रामिंग बोर्ड की बैठक को करेंगे संबोधित

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय के सचिव पीयूष गोयल 21 जनवरी, बुधवार को यहां होने वाली 65वीं केंद्रीय भूवैज्ञानिक प्रोग्रामिंग बोर्ड (सीजीपीबी) की बैठक को संबोधित करेंगे। खान मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) 21 जनवरी 2026 को एपी शिंदे संगोष्ठी हॉल, आईसीएआर, पूसा, नई दिल्ली में 65वीं केंद्रीय भूवैज्ञानिक कार्यक्रम बोर्ड की बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण आयोजन में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों, उद्योग, शिक्षा जगत और खनन क्षेत्रों के प्रमुख हितधारक भूवैज्ञानिक- प्रगति, खनिज अन्वेषण रणनीतियों और स्वच्छ ऊर्जा, भू-खतरों एवं सतत विकास सहित चुनौतियों के समाधान पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ एक मंच पर होंगे। मंत्रालय के मुताबिक सीजीपीबी खान मंत्रालय के तहत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) का एक महत्वपूर्ण मंच है। इसके तहत जीएसआई के वार्षिक क्षेत्र सत्र कार्यक्रम (एफएसपी) पर चर्चा की जाती है और कार्यों के दोहराव से बचा जाता है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं और सदस्यों एवं हितधारकों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों के महत्व और तात्कालिकता के आधार पर, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए सर्वेक्षण एवं मानचित्रण, अन्वेषण, अनुसंधान एवं विकास, सामाजिक परियोजनाओं के लिए बहुविषयक कार्य तथा प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के लिए जीएसआई के वार्षिक कार्यक्रम को सीजीपीबी की शीर्ष स्तरीय बैठकों में उचित चर्चा और विचार-विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया जाता है।

सतत विकास के लिए इस्पात कबाड़ के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता: अधिकारी

एजेंसी

जयपुर। देश को सतत विकास का समर्थन करने, उत्सर्जन कम करने और भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादन प्रक्रियाओं में इस्पात के कबाड़ के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने मंगलवार को कहा। 13वें अंतरराष्ट्रीय सामग्री पुनर्चक्रण सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईएमआरसी) को संबोधित करते हुए इस्पात मंत्रालय के संयुक्त सचिव दया निदान पांडे ने कहा कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा इस्पात उत्पादक है। भारत ने पिछले चार वर्षों में तैयार इस्पात की खपत में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा, भारत इस्पात के कबाड़ की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ाए, ताकि सतत इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक औसत 31 प्रतिशत तक पहुंचा जा सके। मटेरियल रीसाइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमआरएआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में पांडे ने कहा, ह्यह बदलाव दीर्घकालिक ऊर्जा दक्षता हासिल करने, संसाधन सुरक्षा को समर्थन देने और इस्पात क्षेत्र के समग्र पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।ङ्क उन्होंने बताया कि भारत का कबाड़ परिवेश अभी परिपक्वता के शुरुआती चरण में है। वैश्विक औसत तक पहुंचने में समय लगेगा।

एचडीएफसी बैंक सोशल इम्पैक्ट स्टार्टअप्स को देगा 20 करोड़ रुपये- परिवर्तन स्टार्टअप ग्रांट्स के 9वें एडिशन में

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुंबई। भारत के प्रमुख प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम 'परिवर्तन स्टार्टअप ग्रांट्स प्रोग्राम' के वित्तीय वर्ष 2026 (एफआई-26) एडिशन को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह प्रोग्राम सोशल इम्पैक्ट-आधारित इनोवेशन को सपोर्ट करता है और पिछले सालों की सीख के आधार पर क्लाइमेट इनोवेशन, एग्रीकल्चर और सस्टेनेबल आजीविका, मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमई इनोवेशन, फाइनेंशियल इन्क्लूजन, और जेंडर डाइवर्सिटी और इन्क्लूजन सहित प्रायोरिटी वाले सेक्टर्स में 10 स्ट्रेटेजिक पहलों को सपोर्ट करेगा, साथ ही एआई और डीप टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों को भी शामिल करेगा। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन वित्त वर्ष (एफआई) -26 में नॉन-डाइल्यूटिव ग्रांट्स के ज़रिए 20 करोड़ रुपये देगा जो आमतौर पर पायलट, वैलिडेशन और शुरुआती स्टेज के स्केल-अप को सक्षम बनाएगा। एफआई-26 एडिशन प्रोग्राम के 10-साल के मील पत्थर की ओर लगातार प्रगति को भी दिखाता है साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े इनक्यूबेटर्स के साथ पार्टनरशिप का विस्तार भी करता है। परिवर्तन स्टार्टअप ग्रांट्स प्रोग्राम एक इनक्यूबेटर-आधारित, पोर्टफोलियो-आधारित मॉडल को फॉलो करता है, जिसके तहत पार्टनर इनक्यूबेटर प्रोग्राम डिज़ाइन, स्टार्टअप आउटरीच, मूल्यांकन, मेंटरिंग, मॉनिटरिंग और इम्पैक्ट रिपोर्टिंग का नेतृत्व करते हैं। वित्त वर्ष (एफआई) -26 में मुख्य फोकस एरियाः पहले के एडिशन से मिली जानकारी के आधार पर वित्त वर्ष (एफआई) -26 प्रोग्राम इन बातों पर ज़ोर देता है - इंस्टीट्यूशन-मैप्ड फोकस एरिया के साथ एक ज़्यादा बेहतर सेक्टर-आधारित अप्रोच, जैसे आईआईटी मद्रास इनक्यूबेशन सेंटर के साथ डीप-टेक, आईआईसीएस बैंगलोर- एफएसआईडी और एसआईएनई आईआईटी बॉम्बे, आईआईएम बैंगलोर - एनएसआरसीईएल और आईआईएम लखनऊ एंटरप्राइज इनक्यूबेशन सेंटर के साथ फाइनेंशियल इंक्लूजन, टी-वर्कस के साथ मैन्युफैक्चरिंग एक्सेलेरेटर, बिट्स पिलानी के साथ क्लाइमेट इनोवेशन, और विल्लगरो इनोवेशन फाउंडेशन के साथ वेस्ट मैनेजमेंट। स्टार्टअप फंडिंग से परे इकोसिस्टम को सक्षम बनाना, जिसमें स्टार्टअप पंजाब के साथ पार्टनरशिप में इंडिया स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) आई- वेंचर द्वारा पंजाब के स्टार्टअप के लिए क्षेत्रीय इकोसिस्टम डेवलपमेंट पहल शामिल हैं।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

बंसत पंचमी को बाबा श्रीकाशी विश्वनाथ का तिलकोत्सव, सगुन की हल्दी लगेगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में बसंत पंचमी पर्व पर 23 जनवरी की शाम श्री काशी विश्वनाथ के पंचबदन रजत प्रतिमा का तिलक चढ़ाया जाएगा। धर्म नगरी में प्रतिवर्ष की भांति बाबा के तिलकोत्सव को लेकर उत्साह अभी से शिवभक्तों में दिखने लगा है। बंसत पंचमी पर्व पर टेढ़ीनीम स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत के आवास पर बाबा विश्वनाथ के परम्परागत तिलकोत्सव की रस्म निभाई जाएगी। इसी के साथ बाबा विश्वनाथ के सगुन से जुड़ी लोकपरंपरा की शुरुआत हो जाएगी जो रंगभरी-एकादशी पर गौरा के गौना तक चलेगी। बाबा के तिलकोत्सव की शुरूआत सगुन की हल्दी से होगी।

टेढ़ीनीम महंत आवास पर लोकाचार,सप्तर्षि आरती के पूर्व चढ़ेगा तिलक

बाबा विश्वनाथ से जुड़ी वैवाहिक लोक परंपराओं के आयोजन से संबंधित शिवाजंली के संयोजक संजीव रत्न मिश्र ने बताया बंसत पंचमी के अवसर पर सायंकाल तिलकोत्सव से पूर्व महंत आवास पर परिवार की वरिष्ठ सदस्य मोहिनी देवी के सानिध्य में अंक शास्त्री महंत वाचस्पति तिवारी बाबा के पंचबदन प्रतिमा का 11 वैदिक ब्राम्हणों के साथ विशेष पूजन करने बाद विशेष श्रृंगार किया जाएगा। सायंकाल लग्नानुसार विश्वनाथ मंदिर में होने वाली सप्तर्षि आरती के पूर्व बाबा की प्रतिमा का परंपरानुसार काशीवासी वैदिक विधि-विधानपूर्वक तिलकोत्सव करेंगे। काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में बसंत पंचमी पर्व 23 जनवरी को मनेगी।

ज्ञान-विद्या के इस पर्व को लेकर पूजा पंडालों में भी तैयारियां शुरू हो गई है। पूजा पंडालों के आकार लेने के साथ बिजली के सजावट का कार्य तेज गति से चल रहा है। मूर्ति कलाकार मां सरस्वती के मूर्तियों को फाइनल रूप देने के लिए जमकर मेहनत कर रहे हैं। ज्योतिषविद मनोज उपाध्याय ने बताया कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी पर्व मनाया जाता है। इसी दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। मां सरस्वती विद्या, बुद्धि, कला, संगीत और वाणी की देवी हैं। बसंत पंचमी पर्व पर पीले वस्त्र पहनकर, पीले फूल चढ़ाकर और पीले प्रसाद से पूजा करने से बुद्धि तेज होती है। उन्होंने बताया कि इस बार माघ शुक्ल पंचमी तिथि 23 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को रात 02:28 बजे शुरू होगी और 24 जनवरी 2026 (शनिवार) को रात 01:46 बजे समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर बसंत पंचमी 23 जनवरी को मनाई जाएगी। इस दिन सूर्योदय सुबह 7:15 बजे के आसपास होगा, जब पंचमी तिथि ही रहेगी। पूजा के लिए शुभ अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:50 से 12:40 बजे और अमृत काल में पूजा करना सर्वोत्तम है। इसी काल में मां सरस्वती की पूजा और पूजा पंडालों में स्थापित मूर्तियों में प्राण प्रतिष्ठा होगी।

गणतंत्र दिवस पर आजमगढ़ के डॉ. इरफान अहमद को भारत सेवा रत्न अवार्ड 2026 से किया जाएगा सम्मानित

आज़मगढ़। गणतंत्र दिवस का पर्व न केवल हमारे देश की आज़ादी और संविधान की शक्ति का प्रतीक है, बल्कि उन असाधारण व्यक्तियों को सम्मानित करने का भी अवसर है, जिन्होंने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपना अमूल्य योगदान दिया। इस बार जयपुर में आयोजित होने वाले भव्य राष्ट्रीय सम्मान समारोह 2026 में जिले के निजामाबाद तहसील के सुराई गांव के प्रख्यात चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. इरफान अहमद को उनके स्वास्थ्य सेवा और जन कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए भारत सेवा रत्न अवार्ड 2026 से सम्मानित किया जाएगा। डॉ. अहमद की सेवाएं ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। डॉ. इरफान अहमद, निजामाबाद तहसील के फरिहा कस्बे में फैजी मेमोरियल हॉस्पिटल (फरिहा रेलवे क्रॉसिंग पास) के प्रमुख चिकित्सक हैं। वे लंबे समय से आम लोगों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और संवेदनशील चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। वे यश इंडिया के सक्रिय सदस्य भी हैं। स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों, नियमित मेडिकल कैंप, निशुल्क परामर्श और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से उन्होंने ग्रामीण और कमजोर वर्ग के लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। इससे पहले 15 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। भारत सेवा रत्न अवार्ड 2026 से सम्मानित होने की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में बधाई देने वालों का तांता लग गया।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शेष पात्र लाभार्थियों के कार्ड शीघ्र बनाए : जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशानुसार जनपद के समस्त विकास खंडों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पंचायत सहायकों एवं संगीनियों की बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा अधीक्षक एवं जिला क्रियान्वयन इकाई के सदस्यों ने प्रतिभाग किया। बैठक का उद्देश्य शेष पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र तैयार कराना था, जिसकी समीक्षा स्वयं जिलाधिकारी द्वारा की जा रही है। बैठकों के दौरान पंचायत सहायकों को ग्रामवार शेष लाभार्थियों की सूची एवं संख्यात्मक लक्ष्य की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि विशेष अभियान के अंतर्गत शेष कार्डों का शीघ्र निर्माण सुनिश्चित किया जाए तथा प्राप्त सूचियों का सत्यापन भी किया जाए। जनपद में कुल 1,60,316 परिवारों के सापेक्ष 1,41,327 परिवारों में कम से कम एक आयुष्मान कार्ड बनाया जा चुका है, जो 88.6 प्रतिशत है। वहीं कुल 6,64,299 सदस्यों में से 3,75,755 सदस्यों के आयुष्मान कार्ड निर्गत हो चुके हैं। अभी भी 2,87,246 सदस्यों के कार्ड बनाए जाने शेष हैं। अधिकारियों ने बताया कि सत्यापन के दौरान मृत्यु, बाहर स्थानांतरण, बायोमेट्रिक या डाटा मिसमैच तथा बालिकाओं के विवाह जैसे कारणों से अपात्र लाभार्थियों की पहचान भी की जाएगी, ताकि योजना का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंच सके।

नितिन नबीन के नेतृत्व में भाजपा का स्वर्णिम काल शुरू होगा: अनिल दीक्षित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। यह हम कभी के लिए एक सौभाग्य वाली बात है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके आने से कार्यताओं में जोश है। अब भाजपा नए कलेवर में निखरेगी उनके निर्देशन में देश भर में पार्टी का स्वर्णिम काल शुरू होने वाला है। यह बातें मंगलवार को भाजपा नगर अध्यक्ष (उत्तर) अनिल दीक्षित ने कही। राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा होने के बाद शहर के नवीन मार्केट स्थित भाजपा कार्यालय परिसर में कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित सहित कई पार्षद मौजूद रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि मंगलवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव का औपचारिक ऐलान किया गया है और उन्होंने प्रधानमंत्री की उपस्थिति में कार्यभार भी ग्रहण किया।

कानपुर में तीन चोर गिरफ्तार, 30 क्विंटल सरिया बरामद

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीती 11 जनवरी को दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये की कीमत की सरिया चोरी करने वाले तीन शातिरों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपितों के पास 30 क्विंटल सरिया बरामद हुई है। पुलिस उपायुक्त मध्य एसएम कासिम आबिदी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर घटना का खुलासा करते हुए बताया कि स्वरूप नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले मनोज कुमार जैन की कल्याणपुर इलाके में सरिया की दुकान है। उन्होंने कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि 11 जनवरी को जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर का एक ताला टूटा हुआ था। दुकान के अंदर राखी काफी सरिया गायब थी, जिसे लेकर उन्होंने सुघर सिंह, रिषभ सिंह, आयुष सिंह, नागेन्द्र सिंह, अर्पित सिंह (राम), निर्भय कटियार (नीतू), ज्ञानू शुक्ला व हेमन्त सिंह के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर विनायकपुर थाना रनिया कानपुर देहात निवासी अखिलेश कुमार, रवि गुप्ता और कानपुर के कल्याणपुर निवासी आयुष शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए शातिरों के पास से 30 क्विंटल सरिया भी बरामद हुई है। घटना को अंजाम देने वाले अन्य चोरों को भी तलाश की जा रही है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

जनगणना कार्य की तैयारियां को लेकर जिला प्रशासन ने की बैठक, दिए गए स्पष्ट निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में आज अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/जिला जनगणना अधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनगणना कार्य की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर, प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति व प्रशिक्षण, जनगणना ऐप/पोर्टल की स्थिति, प्रपत्रों की उपलब्धता, जनजागरूकता एवं प्रचार-प्रसार सहित सभी आवश्यक तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई। अपर जिलाधिकारी संजय कुमार ने निर्देश दिए कि शेष बचे प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति तत्काल पूर्ण की जाए तथा सभी का प्रशिक्षण निर्धारित मॉड्यूल के अनुसार समयबद्ध रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना ऐप/पोर्टल के संचालन, लॉगिन आईडी, उपकरणों एवं प्रपत्रों की उपलब्धता में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं होनी चाहिए। जनगणना दो चरणों में होगी। जनपद में जनगणना कार्य हेतु 02 मास्टर ट्रेनर, 60 फील्ड ट्रेनर, 622 सुपरवाइजर एवं 3730 प्रगणकों की आवश्यकता है, जिसके सापेक्ष तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं। बैठक में उपस्थित अधिकारियों द्वारा दिए गए सुझावों पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, अपर जिला सूचना अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दिनेश कटियार का निर्विरोध भूमि विकास अध्यक्ष निर्वाचित होना तय

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में बढ़पुर विकासखंड में सहकारिता के अंतर्गत भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष पद के लिए मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कटियार ने अपना नामांकन पत्र जिला चुनाव अधिकारी सतीश कुमार को सौंपा। नामांकन पत्र दाखिल करते समय भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा, पूर्व विधायक कुलदीप गंगवार, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ भूदेव सिंह राजपूत, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यपाल सिंह, आलू विपणन संघ सभापति विमल कटियार सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नामांकन पत्र दाखिल करने की समय सीमा के बाद कोई भी दूसरा नामांकन पत्र दाखिल नहीं हो सका। इसलिए पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश कटियार का निर्विरोध निर्वाचन तय होना सुनिश्चित है। जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता बढ़पुर विकासखंड के प्रांगण में मौजूद रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष फतेहचंद वर्मा ने बताया पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्य समिति सदस्य दिनेश कटियार का निर्विरोध निर्वाचन तय है। इससे पूर्व भी वह भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष निर्वाचित हुए थे। इस बार पार्टी ने फिर एक बार उनको प्रत्याशी बनाया था। किसी और का नामांकन पत्र दाखिल न होने पर दिनेश कटियार अध्यक्ष बनना तय हो गया है। यह कार्यकर्ताओं के लिए आनंदित होने वाला पल है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित दल है। एक सामान्य सा कार्यकर्ता भी पार्टी में विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सुशासन एवं विकास की सरकार चल रही है। पिछली सरकारों ने पूरे सहकारिता विभाग को भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा था।

आध्यात्मिक मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक : सुनील आम्बेकर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर स्थित तिकोनिया में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आम्बेकर ने स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत जब आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रगति कर रहा है, तब आध्यात्मिक मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक है। आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारा देश जब आर्थिक स्थिति में आगे बढ़ रहा है और जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है, तब उसे आध्यात्मिकता की भी उतनी ही जरूरत है। हर व्यक्ति को देश के बारे में सोचने की उतनी ही जरूरत है। स्वामी विवेकानंद के जीवन का यह संदेश प्रसारित करने की दृष्टि से आज इस प्रतिमा का अनावरण हुआ है। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि स्वामी विवेकानंद का जीवन संघर्षों से भरा रहा और उनके आदर्श आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। यह कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद के 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' के संदेश को आत्मसात करने के संकल्प के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, भाजपा नेता आलोक कुमार आर्या और डॉ.एके सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंडित ओमप्रकाश पाठक स्मृति राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट

कन्नौज क्रिकेटर्स ने जीता सातवें राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का पहला मैच

दिनेश दुबे

कन्नौज। बुधवार को शहर स्थित के के इंटर कालेज बोर्डिंग ग्राउंड पर सातवां राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच राका क्रिकेट क्लब मथुरा और मेजवान टीम कन्नौज क्रिकेटर्स के मध्य खेला गया। इस मैच को कन्नौज क्रिकेटर्स ने 120 रन से जीत लिया। स्व. पंडित ओमप्रकाश पाठक ''बढ़कूं दद्दा'' की स्मृति में जिला क्रिकेट एसोसिएशन कन्नौज द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य ने फीता काटकर किया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शाक्य द्वारा सिक्का उछालकर मैच का टॉस भी कराया गया।

जिला मुख्यालय के बोर्डिंग ग्राउंड पर बुधवार को शुरू हुए राज्य स्तरीय सातवें क्रिकेट टूर्नामेंट में कन्नौज क्रिकेटर्स के कप्तान नईम फारूकी ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 25 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 227 रन बनाए। कन्नौज क्रिकेटर्स टीम के बल्लेबाज चंद्रपाल सैनी और मुकुल की जोड़ी ने शानदार अर्ध शतक लगाये। चंद्रपाल सैनी 65 रन और मुकुल ने 51 रन बनाए। जबकि अनुभव सिंह ने 43 रन, विशाल 40 र , था तनिष्क ने अपनी टीम के लिए 25 रन का योगदान दिया। इस दौरान राका क्रिकेट क्लब मथुरा के गेंदबाज में राहुल ने दो विकेट, फकरु एवं हिमांशु वर्मा एक एक विकेट लेने में सफल रहे। लक्ष्य का पीछा करते हुए राका क्रिकेट क्लब मथुरा की टीम 20.4 ओवर में 107 रन बनाकर ऑल आउट हो गई । राका क्लब मथुरा के बल्लेबाज में सर्वाधिक स्कोर हरभजन सिंह द्वारा 38 रन बनाए गए । इसके अतिरिक्त बल्लेबाजी में अर्चित ने 12 रन एवं निखिल अत्रि 18 रन का योगदान कर पाए। कन्नौज क्रिकेटर्स की तरफ से गौरव राघव के द्वारा शानदार गेंदबाजी देखने को मिली। उन्होंने 5 ओवर में 23 रन देकर 5 विकेट झटके। इसके अतिरिक्त गेंदबाज में शोएब कुरैशी दो विकेट, सचिन यादव एक विकेट और हमजा एक विकेट लेने में सफल रहे।शानदार गेंदबाजी के लिए गौरव राघव को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया द्वारा प्रदान किया गया। मैच की अंपायरिंग रितेश शर्मा एवं रोहित सिंह द्वारा की गई जबकि स्कोरर के रूप में आकाश मिश्रा ने योगदान दिया। इस अवसर पर कन्नौज क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक के रूप में संजय सामवेदी, अध्यक्ष पवन त्रिवेदी, समीर पाठक ''छोटू'' अब्दुल मालिक, सजल सिंह, आनंद मिश्रा, नीरज सामवेदी अब्दुला फारूखी, सहित तमाम क्रिकेट प्रेमी मैदान पर मौजूद रहे।

कन्नौज : के के इंटर कालेज के खेल मैदान पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित सातवें स्व. पंडित ओमप्रकाश पाठक ''बढ़कू दद्दा'' स्मारक राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करती जिला पंचायत अध्यक्ष प्रिया शाक्य